

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट, ओटी इतिहास, साहित्य, और धर्मशास्त्र, व्याख्यान 2

© 2012 डॉ. टेड हिल्डेब्रांट

ए. परिचय और प्रार्थना [0:0-2:24]

यह पुराने नियम के इतिहास साहित्य और धर्मशास्त्र पर डॉ. टेड हिल्डेब्रांट का व्याख्यान संख्या दो है। आज का व्याख्यान प्रेरणा, विमुद्रीकरण, प्रसारण और अनुवाद के सिद्धांतों पर होगा।

मुझे एक बात कहनी चाहिए जो पिछले साल किसी ने की थी और मुझे लगा कि यह वाकई बहुत अच्छी थी, मेरी एक लड़की थी जो यहां बैठी थी और उसके पिता उसके साथ ओल्ड टेस्टामेंट की क्लास लेना चाहते थे! हम हेलीकाप्टर माता-पिता के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन जैसे भी, वास्तव में, मैंने वास्तव में उस लड़के का आनंद लिया। मैंने उसे ईमेल करना समाप्त कर दिया। इस आदमी ने मुझे बार-बार ईमेल किया और यह वास्तव में अच्छा था। वह पाठन पढ़ता था और मुझे उससे प्रेरणा मिलती थी। जैसे, क्या वह सचमुच साफ-सुथरा था कि वह देख सके कि उसकी बेटी क्या सीख रही थी? आपको नहीं लगता कि यह साफ़-सुथरा है...ठीक है, मैंने सोचा था कि यह काफ़ी साफ़-सुथरा था।

आइए प्रार्थना के एक शब्द के साथ शुरुआत करें, और फिर हम आज यहां कुछ चीजों पर चर्चा करेंगे।

पिता, हम बहुत आभारी हैं कि आपने बात की है, और आपने उन भविष्यवक्ताओं से बात की है जो परमेश्वर के पुरुष और महिला थे, और उन्होंने पवित्रशास्त्र को दर्ज किया, और आपने इसे समय के सभी प्रकार के विनाशों के माध्यम से हजारों वर्षों तक हमारे लिए संरक्षित रखा। आपने इसे हमारे लिए सुरक्षित रखा है और हमारे लिए इसका अंग्रेजी में अनुवाद किया है ताकि हम इसे समझ सकें, और यह अभी भी हमारे पास है। हममें से कई लोगों के पास इसकी कई प्रतियां भी हैं और हम आपके द्वारा कहे गए शब्दों के लिए आपको धन्यवाद देते हैं। प्रकृति में आपके वचन के लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं, और जैसे ही यह तूफ़ान गुज़रता है, हमें एहसास होता है कि स्वर्ग ईश्वर की महिमा का बखान करता है। इसलिए हम स्वर्ग की ओर देखते हैं और आपकी महानता और आपके द्वारा बनाए गए ब्रह्मांड के लिए आपकी प्रशंसा करते हैं। हम आपके पुत्र यीशु मसीह के

लिए सबसे अधिक धन्यवाद देते हैं जो हमारे पापों के लिए मर गया। हम आपके प्यार और आपकी करुणा के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद करते हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप आज हमारी मदद कर सकें क्योंकि हम कुछ ऐसी चीजों पर चर्चा कर रहे हैं जो काफी पेचीदा हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि आप मुझे उन्हें इस तरह से बोलने की क्षमता दें जिससे विश्वास टूट जाए, न कि टूट जाए... और यह कि आपके बेटे का नाम इस वर्ग द्वारा सम्मानित किया जा सके, उसके अनमोल नाम पर हम प्रार्थना करते हैं। तथास्तु।

बी. समीक्षा: ब्रह्माण्ड संबंधी और दूरसंचार संबंधी तर्क

ईश्वर का अस्तित्व [2:25-6:26]

पिछली बार हम कह रहे थे कि बाइबल (हम पुराने नियम का अध्ययन करने जा रहे हैं), कि यह पुस्तक परमेश्वर का वचन है। इसलिए पहली चीज़ जो हमें दिखाने की ज़रूरत है वह यह है कि ईश्वर में विश्वास उचित है। अब, क्या हम सिद्ध कर सकते हैं कि ईश्वर है? नहीं, क्या हम दिखा सकते हैं कि यह उचित है? क्या लोग यह साबित कर सकते हैं कि 16 अरब साल पहले बिग बैंग कैसे हुआ था? क्या लोग इसे साबित कर सकते हैं? नहीं, क्या यह उनकी भी एक धारणा है? ठीक है, तो क्या केवल ईसाई ही धारणाओं में विश्वास रखते हैं? क्या अन्य लोगों की भी धारणाएँ हैं? हाँ। विज्ञान के पास ये हैं, हर संस्कृति के पास ये हैं। तो, क्या कोई ईश्वर है?

हमने ब्रह्माण्ड संबंधी तर्क के बारे में बात की, जो मूल रूप से कारण-प्रभाव, कारण-प्रभाव, प्रारंभिक कारण तक का अनुसरण कर रहा था; प्रारंभिक तरबूज या अंगूर, और ब्रह्माण्ड के अस्तित्व में आने का कारण क्या है। ईसाई होने के नाते हम कहेंगे कि तरबूज या अंगूर को नष्ट करने का प्रारंभिक कारण ईश्वर था, और ईश्वर ब्रह्माण्ड के निर्माण में शामिल था। तो बाकी सभी चीजों के घटित होने का पहला कारण क्या था? हम कहेंगे वह भगवान है। पहला कारण ब्रह्माण्ड संबंधी तर्क है।

हमने टेलिओलॉजिकल तर्क का भी उपयोग किया। टेलिओलॉजिकल तर्क डिज़ाइन का एक तर्क था। ब्रह्माण्ड बहुत, बहुत अच्छी तरह से संरचित है; बहुत अच्छी तरह से ऑर्डर किया गया, ठीक है? एक आदमी ने एक किताब लिखी है, छह अंक, और यदि आप इन छह अंकों में से किसी एक को बदलते हैं, तो पूरा ब्रह्माण्ड बदल जाता है। उदाहरण के लिए, गुरुत्वाकर्षण खिंचाव, यदि

गुरुत्वाकर्षण खिंचाव अब से भिन्न होता तो क्या होता? मान लीजिए कि गुरुत्वाकर्षण अब की तुलना में केवल तीन-चौथाई था। जब विस्फोट हुआ तो ब्रह्मांड का क्या हुआ होगा? गुरुत्वाकर्षण द्वारा चीजों को एक साथ रखने के बजाय, ब्रह्मांड क्या करेगा? उसे तो उड़ा दिया गया होगा। दूसरी ओर, यदि गुरुत्वाकर्षण अब की तुलना में अधिक मजबूत होता तो क्या होता? ब्रह्मांड बाहर चला जाएगा, और यह संभव है कि इसे वापस एक साथ खींच लिया जाएगा। लेकिन जिस तरह से यह है, गुरुत्वाकर्षण खिंचाव उस तरह से परिपूर्ण प्रतीत होता है जिससे यह हमें जीने की अनुमति देता है। अन्य कारक भी हैं। एक प्रोटॉन का आकार और वजन, और यदि उसे बदल दिया जाए तो क्या होगा? यह सब कुछ बदल देगा। और इसलिए, यह आदमी छह संख्याओं से गुज़रता है और कहता है कि ब्रह्मांड इन छह संख्याओं के आसपास अविश्वसनीय रूप से संतुलित है। अब आप कह सकते हैं कि यह भाग्य है, है ना? कि हमारी किस्मत अच्छी थी। लेकिन क्या यह आपको यह कहने पर मजबूर नहीं करता है, "यह भाग्य के लिए बहुत सी चीज़ें हैं?"

तो यह कुछ ऐसा है जैसे हमने इस कमरे का उदाहरण इस कमरे की कुर्सियों के साथ इस्तेमाल किया है। आप इस कमरे में प्रवेश करते हैं और इन कुर्सियों को देखते हैं, क्या आप यह मानेंगे कि यह केवल भाग्य और संयोग था कि ये कुर्सियाँ इस तरह से खड़ी हो गईं जैसे वे अब हैं? नहीं, जब आप पंक्तियों में कुर्सियों को देखेंगे तो आप निष्कर्ष निकालेंगे: "किसी ने ऐसा किया है।" आप कैसे जानते हैं कि वे कुर्सियाँ किसी ने वहाँ रखी थीं? क्योंकि ऑर्डर बहुत ज्यादा है। आपके पास यहां तीन पंक्तियाँ हैं, आपके पास बीच में बैठने के लिए कोई कुर्सियाँ नहीं हैं, वे एक प्रकार से ऊपर की ओर झुकी हुई हैं, आपके पास इस तरह से एक पंक्ति में दस कुर्सियाँ हैं, वे सभी अच्छी तरह से पंक्तिबद्ध हैं। आप कहते हैं, "यह सिर्फ भाग्य से नहीं हो सकता, कोई डिज़ाइनर रहा होगा जिसने इस कमरे को डिज़ाइन किया और इसे इस तरह बनाया। तो यह डिज़ाइन का तर्क है, इसे टेलीओलॉजिकल तर्क कहा जाता है।

डेम्पस्की नाम के एक व्यक्ति के साथ मिलाया था, जिस गणितज्ञ के पास डबल पीएचडी थी, वह डेम्पस्की शिकागो विश्वविद्यालय से था। क्रेग भी पश्चिमी तट पर टैलबोट सेमिनरी में एक धर्मप्रचारक है, क्या कोई इससे परिचित है? वैसे भी, क्रेग वहाँ से बाहर है, वह क्षमायाचना का तर्क भी देता है, लेकिन डेम्पस्की बड़े लोगों में से एक है, डबल पीएच.डी., इंटेलिजेंट डिज़ाइन। अब

अलग-अलग लोग स्थापित करेंगे तो ये कैसे हुआ? इंटेलिजेंट डिज़ाइन कहता है कि ब्रह्मांड में इतनी व्यवस्था है कि इसे डिज़ाइन करने के लिए आपको किसी की ज़रूरत है, आपको एक बुद्धि की आवश्यकता है क्योंकि यह सिर्फ भाग्य और मौका नहीं है अन्यथा, और अधिक अराजकता होगी।

सी. ईश्वर के अस्तित्व के लिए नैतिक तर्क [6:27-9:39]

अब यह आपका अगला तर्क है। यह नैतिक तर्क है। क्या जानवरों में नैतिकता होती है? हम बाहर गए (मैं अपने बेटे को ले गया जो अभी अफगानिस्तान से लौटा था) येलोस्टोन नेशनल पार्क। येलोस्टोन में सैर करने में क्या समस्याएँ हैं? क्या वहाँ बड़े जीव हैं? हुआ यह कि वहाँ एक सत्तावन वर्षीय व्यक्ति और उसकी पत्नी टहलने गये थे। पता चला कि वहाँ एक माँ भूरा भालू थी। भूरे भालू ने उस आदमी को देखा और उसके पीछे गया और उसे मार डाला। भूरे भालू से क्या समस्या है? क्या भूरा भालू किसी इंसान को आसानी से अपना शिकार बनाने में सक्षम है? बस उनके पंजे मेरी उंगली जितने लंबे हैं। भूरा भालू एक बार ऐसे ही चला जाता है और आप बर्बाद हो जाते हैं। ये जानवर अविश्वसनीय रूप से मजबूत हैं और वे वास्तव में तेज़ दौड़ सकते हैं। वैसे भी, इस आदमी को निगल लिया गया था। उसकी पत्नी भाग गई, वैसे, क्या आप जानते हैं कि वह कैसे भाग गई? यह सच है... उसने भालू पर चिल्लाना शुरू कर दिया और कोई भी उन पर चिल्लाने वाली महिला को बर्दाश्त नहीं कर सकता, इसलिए भालू भाग गया... वह एक मजाक था (अब जब मुझे टेप किया जा रहा है तो मुझे इस तरह की चीजों से सावधान रहना होगा) लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि वह महिला कैसे भाग गई? क्या आप जानते हैं उसने क्या किया? यह सच है, उसने क्या किया जब उसके पति को भालू ने खा लिया था, उसने नाटक किया कि वह मर गई है। भालू आया, उसकी नाक में दम कर दिया, हो सकता है कि उसने उसे जकड़ लिया हो (मुझे लगता है कि उसे कुछ मामूली घाव थे) लेकिन भालू ने उसे नहीं खाया क्योंकि भालू को लगा कि वह मर गई है और उसे अकेला छोड़ दिया। यह सच है, वह मरने का नाटक करके बच गई। यह बहुत अजीब है, है ना? वह पूरी तरह से निढाल हो गई और ऐसा दिखावा करने लगी जैसे वह मर गई हो और उसे बचा लिया गया हो।

मेरा कहना यह है कि यदि कोई जानवर मनुष्य को खा जाता है, तो क्या वह अनैतिक जानवर है? क्या जानवरों में नैतिकता होती है? नहीं, वे एक दूसरे को खाते हैं! मैं भी येही कह रहा हूँ;

वे चीजों को स्वाभाविक रूप से खाते हैं। एक इंसान जो दूसरे इंसान को मारता है, क्या इसमें कुछ अनैतिक है? ठीक है, हमारे पास ऐसे कानून हैं जो इसे हत्या कहते हैं। वैसे, क्या हत्या के भी अलग-अलग स्तर होते हैं? कोई 85 साल का व्यक्ति कार में है, और उन्हें नहीं पता कि वे क्या कर रहे हैं। उन्होंने ब्रेक के बजाय गैस पेडल पर कदम रखा और एक बच्चे को नीचे गिरा दिया। यह अंततः बोस्टन में घटित हुआ। मान लीजिए कि बच्चा मारा जाता है, तो क्या वह बूढ़ा व्यक्ति हत्यारा है? खैर, उन्हें गाड़ी नहीं चलानी चाहिए लेकिन यह एक अलग सवाल है। हम जो कह रहे हैं वह यह है कि कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा या पूर्वविचार नहीं था। वह व्यक्ति शायद इस बात से टूट गया था कि उन्होंने किसी की हत्या कर दी।

दूसरे शब्दों में, मनुष्य में नैतिकता होती है। वे नैतिकताएँ कहाँ से आईं? यदि आप विश्वास नहीं करते कि ईश्वर है, तो नैतिकता कहाँ से आई? वैसे, क्या धर्मनिरपेक्ष लोग ऐसी जगहें बना सकते हैं जहाँ से नैतिकता आती हो? हां, वे कर सकते हैं, लेकिन क्या उन्हें हमसे कहीं अधिक मेहनत करनी होगी, यह कहते हुए कि एक ईश्वर है, जिसने बात की और कहा "तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए" क्या? "हत्या करो. तुम झूठ नहीं बोलोगे, तुम चोरी नहीं करोगे, तुम व्यभिचार नहीं करोगे," यह बिल्कुल सीधा है। तो, नैतिकता कहाँ से आई? यह ईश्वर की तुलना में ईश्वर के बिना अधिक समस्या है।

ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण के रूप में डी. पास्कल का दांव [9:40-13:16]

पास्कल का दांव. यह वह है जो मुझे पसंद है. क्या किसी को जुआ खेलना पसंद है? मैं नहीं जानता, लेकिन मुझे बस इतना कहने दीजिए। हम दो पासों पर सात और ग्यारह रोल करने जा रहे हैं। प्रत्येक पासे की छह भुजाएँ होती हैं, तो दो पासे से कितनी संभावनाएँ सामने आ सकती हैं? आप लोग शायद आँकड़ों में ऐसा करते होंगे। प्रत्येक पासे पर छह, इसलिए छह गुना छह, इसलिए छत्तीस अलग-अलग संयोजन। अब सात, आप कितने तरीकों से प्राप्त कर सकते हैं? एक और छह, तीन और चार, आदि। तो हम पासा पलटने जा रहे हैं, और यह इस प्रकार होगा। क्योंकि मुझे आप लोगों की परवाह है, हम इसे स्थापित करने जा रहे हैं। यदि मैं पासा पलटता हूँ और मुझे सात या ग्यारह नहीं मिलते हैं, दूसरे शब्दों में, आप जीतते हैं और मैं हार जाता हूँ, तो मैं आपको एक डॉलर

देता हूँ। अगर मुझे सात या ग्यारह मिलें, तो आप मुझे दस हजार डॉलर देंगे। क्या कोई रोल करना चाहता है? समस्या क्या है? मैं उन्हें एक बार रोल करता हूँ और हार जाता हूँ, मैं आपको सिर्फ एक डॉलर का भुगतान करता हूँ। मैं उन्हें दो बार रोल करता हूँ, मैं हार जाता हूँ, मैं आपको एक डॉलर का भुगतान करता हूँ। तीन, चार, पांच, दस, मैं उन्हें दस बार रोल करता हूँ, मैंने आप लोगों को कितना भुगतान किया? दस रुपये. मैं एक बार जीत गया, और आप मुझे कितना भुगतान करेंगे? दस हजार। सवाल: क्या मैं पूरी रात आपके साथ ऐसे ही घूमूंगा? हाँ। क्यों? अगर मैं हार गया, तो मेरे पास खोने के लिए क्या है? मुझे एक डॉलर का नुकसान हुआ. मेरे पास खोने के लिए बहुत कम है। लेकिन क्या जीतने पर मुझे बड़ी रकम हासिल होगी? खोने को बहुत कम, पाने को सब कुछ।

पास्कल का दांव इस तरह काम करता है, यह कहता है: "यदि कोई ईश्वर नहीं है, तो मैंने क्या खोया है?" ज़रा सा। मान लीजिए कि कोई ईश्वर नहीं है, और आप कहते हैं, "ठीक है, आपने जीवन भर विश्वास किया और यह झूठ था और ईश्वर का अस्तित्व नहीं है।" उससे मुझे क्या हासिल हुआ? मुझे एक अद्भुत परिवार, एक अद्भुत पत्नी मिली है, मैं इससे अधिक की आशा नहीं कर सकता। तो मेरे पास अभी भी वह सब सामान है। दूसरी ओर, अगर मैं मानता हूँ कि कोई भगवान नहीं है, और अचानक मैं मर जाता हूँ और मेरा सामना उस भगवान से होता है जिसका अस्तित्व ही नहीं है और मैंने जीवन भर उसकी निंदा की है और मैं निराश हो जाता हूँ उसके बाद, क्या कोई समस्या है? दूसरे शब्दों में, आपके पास खोने के लिए कुछ नहीं है और पाने के लिए सब कुछ है। यदि कोई ईश्वर नहीं है, और मुझे विश्वास था कि ईश्वर है, तो मैंने लगभग कुछ भी नहीं खोया। यदि यह पता चलता है कि ईश्वर है और मैं उस पर विश्वास नहीं करता, तो इस जीवन के अंत के बाद मैं सब कुछ खो देता हूँ। इसे पास्कल का दांव कहा जाता है, और वह कह रहा है कि यदि आप ईश्वर में विश्वास करते हैं और यह पता चलता है कि आप गलत थे, तो आपने कुछ भी नहीं खोया। यदि आप मानते हैं कि कोई ईश्वर नहीं था और वह है, तो आपने अपनी आत्मा खो दी है और यह बहुत बड़ी बात है। पास्कल का दांव - पैसे के लिए पासा मत घुमाओ।

ई. यीशु का तर्क: झूठा, पागल, किंवदंती या भगवान [13:17-20:46]

आप यीशु के साथ क्या करते हैं? आप कह सकते हैं, "मैं ईश्वर में विश्वास नहीं करता।" ठीक है, फिर आप यीशु के साथ क्या करते हैं? क्या यीशु ने ईश्वर होने का दावा किया था? यीशु ने कहा,

एगव ईएमआई। इसका मतलब है "मैं हूँ।" मैं क्या हूँ? जब यीशु ने कहा "मैं हूँ," यहूदियों ने क्या प्रतिक्रिया दी? वे उसे पत्थर मारना चाहते थे। वे उस पर पथराव क्यों करना चाहते थे? "क्योंकि आप, एक साधारण आदमी, होने का दावा करते हैं" क्या? "ईश्वर।" "मैं वह हूँ जो मैं हूँ" कौन है? आपको पुराने नियम में याद है, "मैं वही हूँ जो मैं हूँ।" क्या यह नाम "यहोवा" है, जो परमेश्वर का सबसे पवित्र नाम है? यीशु कहते हैं, "मैं हूँ" और उन्होंने उन पर पथराव करने की कोशिश की क्योंकि उन्होंने कहा था, "तुमने अभी-अभी भगवान होने का दावा किया है। इसलिए हम ईशनिंदा के लिए तुम्हें मारने, पत्थर मारने की कोशिश करने जा रहे हैं। क्योंकि तुम, एक साधारण मनुष्य, परमेश्वर होने का दावा करते हो।" शुरुआत में, जॉन उनके प्रेरित लिखते हैं, "शुरुआत में शब्द था। शब्द भगवान के साथ था और शब्द भगवान था... और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में वास किया।" तो वह *लोगो के बारे में बात कर रहे हैं*। ईश्वरीय प्रतीक, ईश्वर का शब्द, अब देह बन गया है। यीशु ने ईश्वर होने का दावा किया। तो सीएस. लुईस ने यह कहा, यीशु या तो झूठा है, पागल है, या वह वही है जो उसने कहा था कि वह है, वह प्रभु है। अब यीशु झूठा है, इसमें समस्या क्या है? जब आप यीशु के कार्यों को पढ़ते हैं, तो क्या वह बहुत झूठा लगता है? "मार्ग, सत्य और जीवन मैं ही हूँ।" ठीक है, यीशु सच बोलते थे और झूठ बोलना उनके नैतिक चरित्र से टकराता था।

यदि इस कमरे में कोई व्यक्ति यह दावा करता है कि आप भगवान हैं, तो हम सोचेंगे कि आप क्या थे? पागल। यीशु ने होने का दावा किया और, वैसे, क्या उसके अपने भाई-बहनों ने सोचा कि वह पागल था? मत्ती 12 के परिच्छेद में, वे उसे ले जाने आए क्योंकि उन्हें लगा कि वह पागल है। क्या यीशु पागल थे? क्या ऐसे पागल हैं जो सोचते हैं कि वे भगवान हैं? खासकर तब जब वे एक निश्चित मात्रा में पदार्थ लेते हैं। क्या यीशु पागल है? क्या आपने पर्वत पर उपदेश पढ़ा है? जब आप पहाड़ी उपदेश पढ़ते हैं, "धन्य हैं गरीब, धन्य हैं वे दयालु, क्योंकि उन्हें दया मिलेगी, धन्य हैं वे जो हृदय में शुद्ध हैं, क्योंकि वे परमेश्वर को खोजेंगे..." क्या ये किसी पागल के कथन हैं? यदि आपने कभी पहाड़ी उपदेश पढ़ा है, तो क्या यह किसी पागल का काम है? क्या यह अब तक कहीं भी लिखा गया सबसे अविश्वसनीय साहित्य नहीं है? मुझे नहीं लगता कि आप यीशु के पागल होने के इस विचार से बहुत आगे बढ़ पाएंगे। यीशु की शिक्षाएँ अविश्वसनीय हैं।

यीशु प्रभु थे, यह लुईस का निष्कर्ष है। लुईस ने इसे छोड़ दिया, और यह मुझे परेशान करता है क्योंकि मुझे लगता है कि आज भी बहुत से लोग यीशु को भगवान के रूप में पसंद नहीं करते हैं। हर कोई यीशु को एक धुंधले महात्मा गांधी के रूप में पसंद करता है। तो यह कई लोगों के लिए है "यीशु एक अच्छे भविष्यवक्ता थे," स्टेरॉयड पर एक प्रकार का मार्टिन लूथर किंग। लेकिन जैसे भी, जहाँ हर किसी को यीशु से समस्या है, वह है उसका ईश्वर होने का दावा। यहीं पर उन्हें दिक्कत होती है। यीशु एक अच्छे भविष्यवक्ता थे, और हर कोई यीशु को एक अच्छे भविष्यवक्ता के रूप में प्यार करता है, लेकिन जैसे ही यीशु भगवान होने का दावा करते हैं, तभी लोग घबरा जाते हैं।

अब, यीशु का यह "ईश्वरत्व" कहां से आया? आज कुछ आलोचक कहेंगे कि यह विचार कि यीशु ईश्वर थे, वास्तव में एक किंवदंती थी, जो वास्तव में समय के साथ विकसित हुई। इस प्रकार यह पौराणिक यीशु विकसित हुआ। लेकिन मैं आपसे उनके प्रेरितों के बारे में पूछना चाहता हूँ, जिनके बारे में वे कहते हैं कि उन्होंने यीशु के बारे में ये किंवदंतियाँ तैयार कीं। आप प्रेरितों के बारे में क्या जानते हैं? प्रेरित वास्तव में बहुत साहसी लोग थे। आरंभ में यीशु के शिष्य थे, "हे यीशु, तू मृत्यु की ओर जा, और हम तेरे साथ मृत्यु की ओर चलेंगे। हम आपके साथ रहेंगे। हम आपके साथ हैं, हम पूरे दिल से आप पर विश्वास करते हैं।" अचानक गेथसमेन के बगीचे में यीशु को पकड़ लिया जाता है और शिष्यों का क्या होता है? ये लोग थे: "माफ़ करें, यहाँ कोई मारा जा सकता है। वे किसी को मारने जा रहे हैं, हमें यहाँ से निकलना होगा!" तो शिष्य निकल पड़ते हैं। अब मैं आपसे एक प्रश्न पूछता हूँ; यीशु के क्रूस पर, सभी शिष्य कहाँ थे? वे डर के मारे छुपे हुए थे। ये सभी महिलाएं ही थीं जो उनसे चिपकी हुई थीं।

लेकिन फिर क्या होता है? तीन दिन बाद, अचानक, वे कब्र पर जाते हैं, और तब शिष्यों का क्या होता है? क्या शिष्यों के साथ कोई परिवर्तन हुआ है? क्या वे शिष्य जो भयभीत थे और भाग गए थे, अब पुनरुत्थान के बाद यीशु मसीह के लिए मर जाएंगे? मुझे बताएं कि 12 शिष्यों का क्या हुआ (खैर, उनमें से एक ने बकेट लिस्ट का काम किया और सफल नहीं हुआ)। तो यहूदा तो चला गया, लेकिन वे ग्यारह शिष्य, उन सभी का क्या हुआ, सिवाय यूहन्ना के बारे में हमें आश्चर्य है कि उनका क्या हुआ? क्या हमारे पास इसका रिकॉर्ड है कि उनके साथ क्या हुआ? उनमें से प्रत्येक की भयानक मृत्यु हुई, आइए उदाहरण के तौर पर पतरस का उपयोग करें, पतरस को उल्टा क्रूस पर

चढ़ाया गया था। यदि उसने इसे ही गढ़ लिया, यीशु के परमेश्वर होने की कथा, तो क्या आप ऐसी किसी चीज़ के लिए मरेंगे? वैसे, एक या दो मर सकते हैं, क्योंकि वे पागल थे या ऐसा ही कुछ, लेकिन क्या उनमें से सभी ग्यारह मर जाएंगे और कभी नहीं कहेंगे, " रुकें , मैंने इसे अभी बनाया है, मैं बस मजाक कर रहा था, मुझे मत मारो।" " नहीं, वे सभी अपनी मृत्यु की ओर चले, और शहीद हो गये। यहाँ तक कि जॉन को भी उन्होंने तेल में तलना शुरू कर दिया। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि क्या उन्होंने पूरे दिल से इस पर विश्वास किया? उन्होंने इस पर किस हद तक विश्वास किया? मौत। वैसे, क्या यह सिर्फ उनके सिर में गोली मारना था? नहीं, उनमें से कई को यातना देकर मौत के घाट उतार दिया गया और इसी तरह उनकी मौत हुई।

तो यह विचार कि शिष्यों ने बस ये किंवदंतियाँ बनाईं, इसमें दूसरी समस्या क्या है? यदि शिष्यों ने अभी-अभी ये कहानियाँ बनाई हैं, तो क्या उनके आसपास अन्य लोग थे जो उन पर सीटी बजा सकते थे और कह सकते थे कि "यह सच नहीं है"? यीशु मृतकों में से जी उठे, शिष्यों ने कहा, और आसपास ऐसे लोग थे जिन्होंने कहा, "नहीं, ऐसा कभी नहीं हुआ, हम वहां थे, ऐसा कभी नहीं हुआ।" इसमें दिक्कत क्या है? पॉल कहते हैं, "अरे, यदि आप यीशु के मृतकों में से पुनर्जीवित होने के बारे में मुझ पर विश्वास नहीं करते हैं, तो यहां अभी भी पांच सौ लोग जीवित हैं, आप उनसे पूछ सकते हैं। बारह प्रेरितों को छोड़कर, सभी पाँच सौ लोगों ने यीशु को मृतकों में से जीवित देखा, और मेरे अलावा, पॉल और मैंने यीशु को दमिश्क की सड़क पर मरने के बाद जीवित देखा। तो दूसरे शब्दों में, वे इसे नहीं बना सकते क्योंकि ऐसे अन्य लोग भी थे जिन्होंने उनकी कहानियों की पुष्टि नहीं की होगी। पॉल कह रहा है कि जाकर उन लोगों से पूछो जो प्रत्यक्षदर्शी थे। तो यीशु बहुत अच्छे हैं। यीशु मसीह ईश्वर होने का दावा करते हैं, और उस पर विश्वास करने का कारण है। अब क्या इससे यह सिद्ध होता है? इससे यह साबित नहीं होता, लेकिन इनमें से कुछ बातों पर विचार करना उचित है।

एफ. भगवान के अस्तित्व के लिए व्यक्तिगत गवाही तर्क [20:47-22:21]

व्यक्तिगत गवाही. क्या आप ऐसे लोगों को जानते हैं जो कहते हैं कि वे ईश्वर से मिल चुके हैं? क्या इस कमरे में ऐसे लोग हैं जो दावा करेंगे कि वे प्रोफेसर सहित भगवान से मिले हैं? मैं कसम खाता हूँ कि मैंने पिछले साल भगवान की करतूत देखी है, भगवान की स्तुति करो, मेरा मतलब है,

क्या आपने कभी ऐसी प्रार्थना की है जो वास्तव में मायने रखती हो? मेरा बेटा, पिछले साल, लगभग इसी समय, अफ़ग़ानिस्तान में था। आए दिन उस पर गोलियां चल रही थीं। वह लगातार अट्टाईस दिनों तक तार के बाहर था, हर दिन उसे गोली मार दी जाती थी। क्या मैंने उसके लिए प्रार्थना की? क्या उसके कुछ दोस्त वापस नहीं आये? बाकी लोग वापस नहीं आये। वह लौट आया। भगवान ने उसे बचा लिया। मैं इसके लिए भगवान की स्तुति करता हूँ। लोग कहेंगे कि वह भाग्यशाली था, यह केवल ड्रॉ का सौभाग्य था कि वह मारा नहीं गया, लेकिन मैं उन चीजों के बारे में बार-बार कह सकता हूँ जो दर्शाती हैं कि भगवान प्रार्थना का जवाब देते हैं। क्या व्यक्तिगत गवाही मायने रखती है? क्या यीशु मसीह में विश्वास करने वाले लाखों लोग ऐसे हैं जो ईश्वर के साथ संबंध होने का दावा करते हैं? हाँ। अब क्या आप इसे केवल इसलिए खारिज कर देंगे क्योंकि वे सभी बेवकूफ़ों का एक समूह हैं? ठीक है, आपको इसके बारे में सोचने की ज़रूरत है। आप कह सकते हैं, "ठीक है, हाँ, आप हिल्डेब्रांट हैं!"

जी. ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण के रूप में भविष्यसूचक भविष्यवाणी [22:22-24:45]

यहां कुछ अन्य बातें हैं जो बाइबल से ही आती हैं। इस पुस्तक में क्या ईश्वर शुरू से ही भविष्य जानता है? आरंभ से अंत तक, क्या ईश्वर भविष्य जानता है? अब, क्या आप भविष्य जानते हैं? क्या इस कमरे में या इस परिसर में कोई है जो भविष्य जानता है? प्रश्न: कल शेयर बाज़ार का क्या होगा, ऊपर या नीचे? किसी को नहीं मालूम! दूसरे शब्दों में, यह इतना अनियमित हो गया है कि आप यह नहीं बता सकते कि कल क्या होने वाला है। अब, आपको एक ईश्वर मिल गया है जो चीज़ों के घटित होने से 700 वर्ष पहले ही उनकी भविष्यवाणी कर देता है। वैसे, क्या 700 साल एक समय की लम्बाई थोड़ी है? ईसा से 700 साल पहले, मीका 5:2 में भविष्यवक्ता मीका कहता है, "अरे, जब मसीहा आएगा, तो वह यूं ही कहीं पैदा नहीं होगा, मसीहा यहूदिया के बेथलेहम में पैदा होगा।"

आप कह सकते हैं, "हाँ, लेकिन बेथलेहम में लाखों लोग पैदा हुए थे और यह सिर्फ़ उनकी किस्मत थी।" मुझे बताओ, बेथलेहम शहर कितना बड़ा था? बेथलेहम शहर यहां के क्राड में फिट हो सकता है। हम अधिकतम तीन, चार, पाँच सौ लोगों से बात कर रहे हैं। हम अमेरिकी हैं, हमारे शहर बड़े हैं: न्यूयॉर्क शहर, एलए और बोस्टन। हम बड़े शहर करते हैं। वहां, उनके शहर कस्बे हैं,

और वास्तव में आप देखेंगे, डीएसवी में, मैंने अक्सर इसका अनुवाद "शहर" के बजाय "शहर" किया है क्योंकि ये स्थान बहुत छोटे हैं। इज़राइल में जिन स्थानों और कस्बों के बारे में आपने पढ़ा है उनमें से अधिकांश जेरिको सहित गॉर्डन के परिसर में फिट होंगे। वैसे, क्या किसी को याद है कि वे एक दिन में जेरिको के आसपास कितनी बार घूमे थे? सात बार। उसकी ओर से तुमसे क्या कहा जाता है? क्या यह एक बड़ा शहर है जिसकी वे सात बार परिक्रमा करते हैं या यह एक छोटा शहर है जिसकी वे सात बार परिक्रमा करते हैं? हाँ, छोटा, जेरिको छोटा है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि, यदि यीशु यहूदिया के बेथलेहेम से आए थे, तो क्या वह एक छोटे शहर से थे? यह भविष्यवाणी उनके जन्म से 700 वर्ष पहले की गई थी। यीशु का जन्म किस शहर में हुआ था? यहूदिया का बेथलेहेम! इस तरह की भविष्यवाणियाँ होती हैं, मैं एक भविष्यवाणी को दूसरी भविष्यवाणी से दूसरी भविष्यवाणी में जोड़ देता हूँ, और आप बस इस चीज़ को जोड़ना शुरू कर देते हैं और आप कहते हैं कि यह सिर्फ भाग्य का नतीजा नहीं हो सकता। बाइबिल ने इसे समझा दिया है! भविष्य कौन जानता है? भगवान भविष्य जानता है। आप उम्मीद करेंगे कि ईश्वर यह बताने में सक्षम होगा कि भविष्य क्या है और उसे सही करने में सक्षम होगा और वह ऐसा करता है।

एच. ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण के रूप में चमत्कार वृत्तांत [24:46-27:26]

दूसरी बात, चमत्कार. आपके पास एक रिकॉर्ड है. मूसा लाल सागर तक चलता है और वह कहता है, "व्हाम बॅम!" और सोचो क्या होता है? पानी अलग हो जाता है, यहूदी उस पार चले जाते हैं, मिस्रवासी उनके पीछे ट्रक लेकर आते हैं और पानी गिरता है और सभी मिस्रवासियों को डुबो देता है! अब आप कहते हैं, "यह सिर्फ भाग्य था, चमत्कार था, हवा चल रही थी, उनके पास उस दिन एक नोरिस्टर था और इसने सारा पानी वापस उड़ा दिया, लेकिन यह इतना मजबूत था कि 50 फीट पानी को उड़ा सकता था, लेकिन लोग फिर भी चल सकते थे यह?" फिर वे दूसरी ओर पहुँचते हैं और अचानक यह मन्ना आसमान से नीचे आने लगता है। आमतौर पर ऐसा नहीं होता. तब वे सिनाई में थे, एक प्रमुख रेगिस्तान, उन्हें कोई पानी नहीं मिला, इसलिए यह आदमी एक छड़ी के साथ ऊपर जाता है और एक चट्टान पर प्रहार करता है और अचानक इस चट्टान से पानी निकलता है और इन सभी लोगों को संतुष्ट करता है। आप कहते हैं, "चमत्कार?" वे जॉर्डन नदी और जॉर्डन नदी के हिस्सों तक भी जाते हैं और वे शहर के चारों ओर सात बार घूमते हैं और कहते हैं, "अरे, तुम

लोग, बाहर आओ और खेलो!" और सारी दीवारें गिर गईं! असल में, वह क्या था, वे झटके मार रहे थे, वे ऐसे ही इधर-उधर घूम रहे थे, सब झटके मार रहे थे और ज़मीन हिल रही थी... सच में? बड़ी दीवारों को गिराने के लिए पर्याप्त? हाँ, यह चमत्कारी होगा. यीशु ने कहा, "अरे, तुम्हारे यहाँ पाँच हजार लोग हैं, तुम्हारे पास कितनी मछलियाँ हैं? आइए इन लोगों को खाना खिलाएं।" या एलिय्याह, कार्मेल पर्वत पर चढ़ रहा है, और उसके अनुरोध पर एक बिजली का बोल्ट नीचे आ रहा है, उस वेदी को भून रहा है, जबकि बाल के ये 400 भविष्यवक्ता अपने देवताओं को चिल्ला रहे हैं और खुद को स्लैशर्स के रूप में काट रहे हैं। तो ये चमत्कार हैं.

यदि आप बाइबल के आलोचक हैं और ईश्वर में विश्वास नहीं करते हैं, तो ऐसी कौन सी दो चीज़ें हैं जिनसे आपको बाइबल में छुटकारा पाना है? तुम्हें भविष्यवाणी से छुटकारा पाना होगा और तुम्हें चमत्कारों से छुटकारा पाना होगा। आप कहते हैं, "मैं चमत्कारों में विश्वास नहीं करता, कोई भगवान नहीं है, इसलिए कोई चमत्कार नहीं हो सकता।" आपको चमत्कार दर चमत्कार करना होगा और पूरी बाइबल में उन्हें समझाना होगा, जिसमें इस लड़के का कुंवारी से पैदा होना भी शामिल है। आपको उससे छुटकारा पाना होगा, हालाँकि मुझे लगता है कि हम आज ऐसा कर सकते हैं! लेकिन क्या आप देख रहे हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ, यीशु का जन्म कुंवारी से हुआ था, लेकिन वे मसीह से दूर कुंवारी जन्म को समझाने के लिए कुछ इस तरह का उपयोग करेंगे, "शायद यह एक जर्मन सैनिक था," या "शायद यह कृत्रिम गर्भाधान था"। उन्हें इससे छुटकारा पाना होगा क्योंकि कुंवारी जन्म एक चमत्कार था (ईसा. 7:14)।

I. यहूदी ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण के रूप में [27:27-33:27]

अब, यहाँ कुछ ऐसा है जो प्रशिया में राजा फ्रेडरिक के सामने आया, उन्होंने कहा, "मुझे साबित करो कि एक शब्द में ईश्वर है।" इस सलाहकार ने उत्तर दिया: "यहूदी।" मुझे यहूदी लोगों के बारे में बताओ; मुझे बेबीलोनियों के बारे में बताओ? क्या आपको बेबीलोन साम्राज्य याद है? बेबीलोन एक शानदार, विशाल साम्राज्य था। आज बेबीलोन के लोग कहाँ हैं? वे कहीं नहीं हैं. अशूरियों के बारे में क्या? नीनवे में असीरियन, 1850 एकड़ भूमि, एक विशाल शहर, एक विशाल साम्राज्य, लेकिन आज असीरियन कहाँ हैं? कहीं भी नहीं। मोआबियों, अम्मोनियों, एदोमियों, बाइबिल के सभी - इट्स और - टाइट्स, लोगों के वे सभी समूह कहाँ हैं? वे जा चुके हैं। प्रश्न: अगर

मैं आपसे पूछूँ कि आज यहूदी कहां हैं, तो आप क्या कहेंगे? न्यूयॉर्क शहर। सच कहूँ तो, न्यूयॉर्क शहर में उतने ही यहूदी हैं जितने इज़राइल में हैं, क्या आप यह जानते हैं? इज़राइल में बहुत सारे यहूदी हैं और मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है। मैं वास्तव में एक वर्ष तक इज़राइल में रहा। लेकिन अब वहां हालात खराब हो रहे हैं और आपको यरूशलेम में शांति के लिए प्रार्थना करने की जरूरत है। मैं बस इतना कहना चाह रहा हूँ कि क्या सदियों से लोगों ने जानबूझकर यहूदियों को नष्ट करने की कोशिश की है? क्या इतिहास में ऐसा बार-बार, बार-बार हुआ है? हाँ, हिटलर के साथ नवीनतम नरसंहार में 6 मिलियन यहूदियों का सफाया कर दिया गया था। क्या ये बहुत सारे यहूदी हैं? क्या यहूदी उससे बच पाये? क्या ऐसा होने के बाद भी यहूदी लोगों का कोई समूह अभी भी मौजूद है? अब वैसे, क्या आज भी ऐसे लोग हैं जो कहते हैं कि प्रलय कभी नहीं हुआ था? हाँ। तीन-चार दिन पहले अहमिनजाब ने कहा है कि वह इजराइल को पूरी तरह से नष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है। ये तो अभी हाल ही की बात है। क्या वह शायद इस पर कोई अच्छा शॉट लगाने जा रहा है? हाँ। ऐसा करने के लिए वह परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। इसलिए इजराइल में कुछ बड़ी समस्याएं चल रही हैं।

प्रश्न: प्रलय कभी नहीं हुआ? अहमीनेजाद की अपनी राय है; उनका कहना है कि प्रलय कभी नहीं हुआ। आपकी अपनी राय है, और आप कहते हैं कि प्रलय हुआ। यह आपकी राय बनाम उसकी राय है। आप कैसे जानते हैं कि कौन सही है? हर किसी की अपनी राय हो सकती है। यह सिर्फ उसकी राय बनाम आपकी राय है। उत्तर-आधुनिकतावाद में, आप लोगों के लिए यह सिर्फ "ठीक है, आप यह सोचते हैं और यह सोचना ठीक है और मैं वह सोचता हूँ और यह ठीक है। हम शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में रह सकते हैं।" क्या कभी कोई कहता है कि वास्तव में क्या हुआ था? उनकी राय है कि ऐसा कभी नहीं हुआ, क्या इससे कोई फर्क पड़ता है? ऐसा हुआ या नहीं? क्या इससे कोई फर्क पड़ता है कि मैं इसे स्वीकार करता हूँ या नहीं? अगर मैं इसे स्वीकार नहीं करता, तो क्या इसका मतलब यह है कि ऐसा नहीं हुआ? नहीं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं क्या सोचता हूँ। घटित हुआ। और वैसे, जो लोग ऑशविट्ज़ और कुछ स्थानों पर गए थे, उन्होंने कहा कि यह इतना भयानक था, "कोई भी इस पर कभी विश्वास नहीं करेगा।" आइजनहावर ने अपने सैनिकों से उन अत्याचारों का दस्तावेजीकरण करवाया क्योंकि उन्होंने कहा, "हमने यहां जो पाया उस पर

कोई भी विश्वास नहीं करेगा।" उसने जान-बूझकर उसका दस्तावेजीकरण किया था।

अब अगर आपको इस बात पर विश्वास नहीं है, तो आइए मैं आपको सोन्या वेइटज़ नाम की एक महिला के बारे में एक कहानी बताता हूँ जो इस मंच पर खड़ी थी। वह वही है जिसे वे "उत्तरजीवी" कहते हैं, और मुझे खेद है अगर मेरे "उत्तरजीवी" कहने पर आप लोग अलग दिशा में चले जाते हैं, लेकिन जब मैं "उत्तरजीवी" के बारे में बात कर रहा हूँ, तो मेरा मतलब किसी ऐसे व्यक्ति से है जो जीवित है प्रलय का। उसे एक मवेशी गाड़ी में, उसकी बहन के साथ ट्रेन में, सार्डिन की तरह सैकड़ों अन्य लोगों के साथ नग्न अवस्था में रखा गया था। उसके परिवार में सभी लोग मारे गये और केवल वह और उसकी बहन ही जीवित बचे। वह कहानी बताती है, मुझे नहीं पता कि वे कैसे बच गए। वह पहले भी इस मंच पर आ चुकी हैं। "ठीक है," आप कहते हैं, "यह सिर्फ आपकी राय है" बनाम... प्रश्न: क्या वह वहां थी? और वह प्रलय का वर्णन करती है। वह अब मर चुकी है, जैसे, क्या ये लोग बूढ़े हो रहे हैं? मैं इस बात पर बहस कर रहा हूँ कि मुझे इसे ऑनलाइन रखना चाहिए या नहीं। यह एक अविश्वसनीय कहानी है, एक महिला जो प्रलय से गुज़री और वास्तव में एकाग्रता शिविरों में चली गई। उनका परिवार तबाह हो गया और उन्होंने इस मंच पर खड़े होकर बताया कि उनके साथ क्या हुआ। प्रश्न: क्या नरसंहार वैध है? हाँ! आप यह कैसे जानते हैं? क्योंकि चश्मदीद गवाह है, ये शख्स वहां था। यह इसे इतिहास की किताब में नहीं पढ़ा जा रहा है, वह वहां थी।

तो जैसे भी, यहूदी। आप कैसे जानते हैं कि यहूदी टिके रहेंगे? क्या यहूदी अंत तक टिके रहेंगे? इब्राहीम का वादा, भूमि, बीज - कि उनका बीज कितने गुणा होगा? बीज आकाश के तारों और समुद्रतट की रेत के समान बहुगुणित होगा। उसे सभी राष्ट्रों के लिए एक आशीर्वाद बनना था। वाचा भूमि है, फ़िलिस्तीन की भूमि, बीज, कि बीज बढ़े, और वह सभी राष्ट्रों के लिए एक आशीर्वाद हो! क्या मसीह के वापस आने पर यहूदी यहीं रहेंगे? यकीन से। तो, जो कोई उन्हें नष्ट करने की कोशिश करता है, उसके साथ आमतौर पर क्या होता है? अंततः उन्हें समस्याएँ होने लगती हैं और इसलिए मुझे चिंता है कि अगली बार जब ऐसा होगा, तो मुझे लगता है कि यह वास्तव में गंभीर होगा। तो यहूदी, बाइबिल में उन सभी अन्य लोगों पर कायम हैं जो चले गए हैं, फिर भी यहूदी अभी

भी जीवित हैं। फिर, यह भगवान की करतूत है.

जे. बाइबिल कहां से आई? चरण एक: प्रेरणा [33:28-38:50]

अब, हम गियर बदलने जा रहे हैं। हमें अपनी बाइबल कहां से मिलती है? तो हम जाएंगे और इसका पता लगाएंगे, और मुझे थोड़ा और तेज़ी से आगे बढ़ने दीजिए। मैं इसमें से कुछ को अपने दिमाग से करने जा रहा हूँ ताकि हम इसे थोड़ा तेज कर सकें। क्या बाइबल ईश्वर की ओर से होने का दावा करती है? क्या यह ऐसा दावा करता है? क्या आपकी कैलकुलस पाठ्यपुस्तक ईश्वर की ओर से होने का दावा करती है? क्या आपकी समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, या रसायन विज्ञान की पाठ्यपुस्तक ईश्वर की ओर से होने का दावा करती है? क्या हमारे पुस्तकालय में ऐसी सैकड़ों-हजारों पुस्तकें हैं जो यह दावा नहीं करतीं कि वे ईश्वर की देन हैं? हमारी लाइब्रेरी में ऐसी कितनी किताबें हैं जो दावा करती हैं कि ये ईश्वर की ओर से हैं? क्या वहाँ संभवतः मुट्ठी भर लोग ही हैं? क्या बाइबल यह दावा करती है? हाँ ऐसा होता है। 2 तीमुथियुस 3:16 कहता है, "सभी धर्मग्रंथ ईश्वर से प्रेरित हैं।" और वास्तविक ग्रीक शब्द *थियोपनेस्टोस* है, जिसका अर्थ है "भगवान ने सांस ली।" "सभी धर्मग्रन्थ ईश्वर द्वारा रचित हैं।" जब मैं यहां बात कर रहा हूँ, अगर आप सामने बैठे हैं तो आप यह जानते हैं, जब मैं बात करता हूँ, तो क्या मैं सांस का उपयोग करके बात करता हूँ? हां, सांस आपके बोलने का तरीका है। "सभी धर्मग्रन्थ ईश्वर द्वारा रचे गए हैं," ईश्वर का वचन भविष्यवक्ताओं में फूँका जाता है, और भविष्यवक्ता इसे लिखते हैं। पॉल कहते हैं, "सभी धर्मग्रन्थ ईश्वर द्वारा गढ़े गए हैं और फटकार और सुधार के लिए लाभदायक हैं..."

यहाँ एक दिलचस्प बात है, 2 पतरस 1:21 में, पतरस यह कहता है, "भविष्यवाणी की उत्पत्ति कभी भी मनुष्य की इच्छा से नहीं हुई थी।" क्या यह सचमुच महत्वपूर्ण है? भविष्यवाणी आई, लेकिन क्या यह मनुष्य की ओर से आई या यह ईश्वर की ओर से आई? पतरस का कहना है कि भविष्यवाणी कभी भी मनुष्य की इच्छा से नहीं आई। वैसे, क्या ऐसे भविष्यवक्ता थे जो नकारात्मक थे, जो अपनी इच्छा से बोलते थे, और कहते थे, "यहोवा यों कहता है," जबकि प्रभु ने "इस प्रकार नहीं कहा था"? क्या ऐसे भविष्यवक्ता थे, "यहोवा यों कहता है," और परमेश्वर ने उनसे बात नहीं की थी। उन लोगों को क्या कहा जाता है? झूठे भविष्यवक्ता. क्या पुराने नियम में बहुत सारे झूठे भविष्यवक्ता थे? जब एलिय्याह, अच्छा भविष्यवक्ता, उनके विरुद्ध जाता है, तो सच्चे भविष्यवक्ताओं का झूठे

भविष्यवक्ताओं से क्या अनुपात होता है? एक से चार सौ. बहुत सारे झूठे भविष्यवक्ता थे। सच्चे भविष्यवक्ता कहते हैं, "यहोवा यों कहता है ..." और वे परमेश्वर की ओर से बोले। पीटर का कहना है कि, "भविष्यवाणी की उत्पत्ति कभी भी मनुष्यों की इच्छा से नहीं हुई। परन्तु मनुष्य पवित्र आत्मा के द्वारा प्रेरित होकर परमेश्वर की ओर से बोलते थे।" ये लोग अपनी ओर से नहीं बोलते थे, इस बात को बनाते हुए, वे "पवित्र आत्मा द्वारा संचालित" थे, और इसलिए यह 2 पतरस 1:21 है, मूल ईश्वर में है।

यहाँ एक और है। "अतीत के समय में," इब्रानियों का लेखक हमें बताता है, "परमेश्वर ने भविष्यवक्ताओं से कई अलग-अलग तरीकों और समयों में बात की।" क्या परमेश्वर ने भविष्यवक्ताओं से अलग-अलग तरीकों से बात की? कभी-कभी वह उन्हें दिखाई देता था; कभी-कभी वह उनसे बात करता था, और सभी अलग-अलग तरीकों से। "परन्तु इन अन्तिम दिनों में," इब्रानियों का लेखक कहता है, "उसने अपने पुत्र के रूप में हम से बातें की हैं।" यीशु मसीह देहधारी परमेश्वर का वचन बन जाता है। परमेश्वर का वचन, परमेश्वर का पुराना नियम का शब्द, जहाँ परमेश्वर ने लोगों से बात की थी, अब यीशु मसीह बन गया है। "आदि में शब्द था और शब्द परमेश्वर के साथ था, और शब्द परमेश्वर था... और शब्द देहधारी हुआ और हमारे बीच में वास किया (यूहन्ना 1)।" परमेश्वर का वचन यीशु मसीह में अवतरित होता है। तो भविष्यवक्ताओं ने अच्छा किया, लेकिन क्या यीशु ने बेहतर किया? हाँ, यीशु सब कुछ उड़ा देता है। अब आपको ईश्वर की अभिव्यक्ति मिल गई है, लिखित स्वरों और रूपियों में शब्दों में नहीं, आपको देह में शब्द मिल गया है। इब्रानियों का कहना है कि यीशु देहधारी परमेश्वर हैं।

यहाँ एक और है, यीशु ऐसा करते हैं, यीशु पुराने नियम के बारे में क्या कहते हैं? क्या यीशु कहते हैं कि पुराना नियम ईश्वर की ओर से है? यीशु कहते हैं, "जब तक सब कुछ पूरा न हो जाए, व्यवस्था से एक भी अंश या अंश टलेगा नहीं।" जोट और टिटल क्या हैं? जोट एक *योध* है, यह सबसे छोटा हिब्रू अक्षर है, यह अक्षर के आधे भाग जैसा है। यह सबसे छोटा हिब्रू अक्षर है। टिटल क्या है? एक शीर्षक है, ठीक है, क्या आप जानते हैं कि सेरिफ़ बनाम सेन्स सेरिफ़ फ़ॉन्ट क्या हैं? क्या आप जानते हैं कि टाइम्स न्यू रोमन फ़ॉन्ट में "डी" के अंत में एक छोटा सा निशान कैसे होता है? इसमें वह छोटी सी चीज़ है जो डी पर लटकी रहती है, उसे सेरिफ़ कहा जाता है। सैन्स सेरिफ़

एरियल की तरह होगा जहां डी सिर्फ एक सीधी रेखा है और फिर एक वृत्त है। जब यीशु कहते हैं कि एक भी शब्द या शीर्षक नहीं, तो शीर्षक एक सेरिफ़ है। यह पत्र पर छोटा सा हुक है। यीशु कहते हैं कि कानून से एक भी अंश या अंश तब तक नहीं छूटेगा जब तक कि सब कुछ न हो जाए? जब तक सब कुछ पूरा न हो जाये. क्या यीशु के पास कानून के बारे में काफी उच्च दृष्टिकोण था? यीशु ने कहा, "मैं व्यवस्था को नष्ट करने नहीं आया, मैं क्या करने आया हूँ"? "इसे पूरा करने के लिए।" यीशु कानून को अपने जीवन की पूर्णता के रूप में लेते हैं। इसलिए यीशु का पवित्रशास्त्र को ईश्वर की ओर से आने के रूप में बहुत उच्च दृष्टिकोण है।

के. भगवान से हमारे लिए चार कदम: प्रेरणा, विमुद्रीकरण, प्रसारण,

अनुवाद [38:51-50:52]

अब, ईश्वर से लेकर हम तक इस प्रक्रिया में चार चरण हैं।

पहले चरण को "प्रेरणा" कहा जाता है। प्रेरणा ईश्वर की प्रेरणा है, ईश्वर इन भविष्यवक्ताओं में अपना वचन फूंक रहा है। भविष्यवक्ताओं ने बोला और उन्होंने इसे लिख लिया। अब वैसे, यदि भविष्यवक्ताओं ने इसे नहीं लिखा, तो क्या यह हमारे लिए खो गया है? क्या भगवान ने कभी उन लोगों से बात की जिन्होंने इसे कभी नहीं लिखा? उसने किया। उदाहरण के लिए, हुलदाह की पुस्तक को देखें। हुल्दा की किताब कहाँ है? क्या किसी ने हाल ही में हुल्दाह पढ़ा है? हुल्दा एक भविष्यवक्ता थी, भगवान ने उससे एक भविष्यवक्ता के रूप में बात की थी, और हमारे पास उसकी कोई भी किताब नहीं है। या तो उसने इसे नहीं लिखा या शायद उसने लिखा और यह खो गया। लेकिन प्रेरणा से, भविष्यवक्ताओं ने इसे परमेश्वर के वचन के रूप में लिखा।

कैनोनाइजेशन: कौन सी किताबें आधिकारिक हैं?

कैनोनाइजेशन क्या है? एक बार जब परमेश्वर ने सामग्री लिखवा दी, तो क्या परमेश्वर के लोगों को उन पुस्तकों को पवित्र पुस्तकों के रूप में एकत्र करना होगा? इसलिए भविष्यवक्ता इस सामग्री को लिखते हैं, भगवान नीचे आते हैं, भविष्यवक्ताओं से बात करते हैं, "भगवान इस प्रकार कहते हैं ...", और भविष्यवक्ता इसे लिखते हैं। कैनोनाइजेशन में भगवान के लोग उन किताबों को

इकट्ठा करते हैं जिन्हें पवित्र माना जाता है। क्या लोगों को यह तय करना है कि कौन सी किताबें पवित्र हैं और कौन सी नहीं? क्या ऐसी कुछ पुस्तकें हैं जिनके बारे में पवित्रशास्त्र में चर्चा की गई है, जिनका उल्लेख पवित्रशास्त्र में भी किया गया है जो पवित्र पुस्तकें नहीं हैं? राजाओं की पुस्तक में कहा गया है, यदि आप राजा योशियाह के बारे में अधिक जानना चाहते हैं, तो इस्राएल और यहूदा के राजाओं के इतिहास पर जाएँ। क्या हमारे पास इस्राएल और यहूदा के राजाओं का इतिहास है? नहीं, उन्हें पवित्र पुस्तकें नहीं माना जाता था, उन्हें यहूदा के राजाओं का इतिहास माना जाता था। लेकिन क्या किंग्स के लेखक ने हमें अपनी कुछ रचनाएँ देने के लिए उन इतिहासों का उपयोग किया? हाँ। तो, क्या प्राचीन दुनिया में ऐसी अन्य किताबें थीं जो हमारे पास नहीं हैं और जो विहित नहीं हैं? लेकिन जो हमारे पास हैं, यहूदी लोगों ने, परमेश्वर के लोगों ने, उन्हें एकत्र किया और कहा, "ये वे हैं जो परमेश्वर की ओर से हैं।" पुस्तकों का संग्रह और उन पुस्तकों को मंजूरी देना संतीकरण की प्रक्रिया है।

प्रसारण: शास्त्रियों द्वारा पाठ की प्रतिलिपि बनाना

अगला है ट्रांसमिशन, यानी लिपिबद्ध नकल। क्या हजारों सालों तक किताबों की बार-बार नकल करनी पड़ी? क्या शास्त्री गलतियाँ करते हैं? जब आप एक हजार पन्नों की किताब की नकल करते हैं, तो क्या आप गलतियाँ करते हैं? मैं तुम्हें वर्तनी जांच वाला एक वर्ड प्रोसेसर दूंगा, फिर भी क्या तुम वर्तनी जांच से भी बिना त्रुटि के एक हजार पेज टाइप कर सकते हो? क्या यह संभव है कि यदि आप इसे कई बार दोबारा देखें तो शायद आप इसे प्राप्त कर सकें? मुझे लगता है आप शायद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि मैंने इसे स्वयं किया है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि इसे सही करना वाकई कठिन है। ये लोग हाथ से नकल कर रहे हैं। प्रश्न: एक हजार पेजों को हाथ से कॉपी करना, क्या यह कोई समस्या है? एक हजार पेजों को हाथ से कॉपी करते समय आपको हाथ से लिखने में समस्याएँ और सभी प्रकार की चीज़ें आती हैं।

इसलिए लिपिकीय त्रुटियाँ, मैं तुम्हें त्रुटियाँ दिखाऊंगा, मैं तुम्हें लेखन प्रक्रिया के परिणामस्वरूप आपकी बाइबिल में त्रुटियाँ दिखाऊंगा। अब, 2,000 वर्षों तक या जो भी हो, इसे बार-बार कॉपी करवाने के बाद, अब आपको क्या करना है? बाइबिल मूल रूप से अरामी, हिब्रू और ग्रीक में लिखी गई थी। पुराना नियम अधिकतर हिब्रू में लिखा गया था। निर्वासन से बेबीलोन वापस

आने के बाद, उन्होंने अरामाइक में लिखा और अरामाइक में बात की, और फिर सिकंदर महान के आने के बाद ग्रीक में बात की। तो हमें यह उन भाषाओं में मिल गया है और हमें इसका अनुवाद किस भाषा में करना है? हिब्रू, बिल्कुल नहीं। हमें इसकी आवश्यकता अंग्रेजी में है। इसलिए हमें इसका अनुवाद कराना होगा। अनुवाद में क्या समस्या है? जब आप भाषाओं के बीच अनुवाद करते हैं तो क्या अनुवाद में चीज़ें खो जाती हैं? क्या भाषाएँ बिल्कुल मेल खाती हैं? नहीं, और इसलिए कुछ शब्द हैं, मैं हेस्ट शब्द के बारे में सोचता हूँ, मैं इस बात को लेकर संघर्ष करता हूँ कि उस शब्द का अनुवाद कैसे किया जाए। क्या मैं इसका अनुवाद "वफादार प्रेम" या "दृढ़ प्रेम" या सिर्फ "प्रेम" या "दया" में करूँ? मैं उस शब्द का अनुवाद कैसे करूँ, जब एक भी अंग्रेजी शब्द ऐसा नहीं है जो उससे मेल खाता हो तो वह अंग्रेजी भाषा में मौजूद ही नहीं है। प्रश्न: क्या अनुवादक के रूप में मुझे कोई समस्या आई है? नहीं, मैं सिर्फ एनआईवी का उपयोग करता हूँ और आपको इसके बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है [मजाक]। लेकिन क्या आपको भाषाओं के बीच जाने में कोई समस्या दिखती है?

प्रेरणा के विभिन्न साधन

तो आइए प्रेरणा की प्रक्रिया को देखें, भगवान ने अपने वचन को कैसे प्रेरित किया? क्या परमेश्वर मूसा से आमने-सामने बात करता है? संख्या 12 में, परमेश्वर मूसा के बारे में कहते हैं, "मूसा साधारण भविष्यवक्ता की तरह नहीं है, वह कोई सामान्य भविष्यवक्ता नहीं है।" वह कहते हैं, "आम तौर पर मैं भविष्यवक्ताओं से सपनों और दर्शनों में बात करता हूँ, मूसा के साथ ऐसा नहीं है। मूसा के साथ मैं आमने-सामने, आमने-सामने चलता हूँ।" वैसे ये इतना आमने-सामने है कि जब मूसा पहाड़ से नीचे उतरते हैं तो उनका चेहरा कैसा होता है? क्या किसी को याद है? उसका चेहरा चमक रहा है और लोग कहते हैं, "अरे, मूसा, तुम भगवान से बात कर रहे हो, तुम बस वहीं रहो, मुझे तुम्हारा चमकता चेहरा पसंद नहीं है मूसा, इसे ढक दो।" तो मूसा क्या करता है? मूसा ने अपने चेहरे पर पर्दा डाल दिया! जब वह परमेश्वर से बात करने के लिए ऊपर जाता है, तो पर्दा हटा देता है, और जब वह लोगों से बात करने के लिए नीचे आता है, तो परदा डाल देता है! तो मूसा एक भविष्यवक्ता है और उसे ईश्वर के साथ उस प्रकार की बातचीत मिली है। आम तौर पर भगवान नीचे आते हैं और भविष्यवक्ता से कहते हैं, "यहोवा यों कहता है ..." और भविष्यवक्ता उद्धृत करता, "प्रभु यों कहता

है ..." यशायाह, यिर्मयाह, सभी भविष्यवक्ता, *सह अमर यहोवा*, और फिर वे यहोवा से उद्धरण देते हैं। तो, भगवान उनसे शब्दों में बात करते हैं, और वे इसे प्रकट करते हैं। भगवान ने स्वप्न में, दर्शन में बात की। यहाँ तक कि वह उन्हें जलती हुई झाड़ी में भी दिखाई दिया।

अब यहाँ भगवान ने दूसरे तरीके से बात की: भगवान ने अपने बेटे में बात की। यीशु, जैसा कि हमने कहा, अवतरित शब्द बन जाता है। यीशु ईश्वर का अंतिम रहस्योद्घाटन है क्योंकि आपको जो मिला है वह शब्द का देह बनना है। वचन, बोले जाने के बजाय, अब जीवित है। और वचन अब हमसे संवाद करता है, केवल शब्दों में नहीं, बल्कि कर्मों और चमत्कारों में - अविश्वसनीय चीजें - जो यीशु ने कीं, लेकिन वचन देह बन गया और अब ईश्वर स्वयं देह में अवतरित होता है। क्या मनुष्य यीशु के पास जा सकते हैं और उसकी आंत में मुक्का मार सकते हैं? हाँ! क्या किसी को ईडन गार्डन याद है? क्या अदन की वाटिका में लोग परमेश्वर के साथ चले और परमेश्वर से बातचीत की? हाँ! गिरने के बाद क्या होता है वे अब कट गए हैं। लेकिन यीशु एक अर्थ में वापस आते हैं; क्या यीशु मसीह हमें बगीचे में वापस लाते हैं जहां भगवान हमारे बीच में चलते हैं? लेकिन लोग क्या करते हैं? उन्होंने उसे पीटा! यह भयानक है। तो यीशु, "आदि में शब्द था, शब्द भगवान के साथ था और शब्द भगवान था... और शब्द मांस बन गया और हमारे बीच में निवास किया।" यह न्यू टेस्टामेंट (जॉन 1) में एक सुंदर अंश है।

हालाँकि, अब कुछ लेखकों ने शोध किया। दूसरे शब्दों में, यह ईश्वर नीचे आकर उनके कान में कुछ निर्देशित नहीं कर रहा था। ल्यूक की पुस्तक में, ल्यूक यीशु मसीह के बारे में एक सुसमाचार लिखने जा रहा है, लेकिन क्या ल्यूक कभी यीशु मसीह से मिला था? नहीं, ल्यूक कभी यीशु मसीह से नहीं मिला। तो, ल्यूक किस आधार पर यीशु मसीह के बारे में सुसमाचार लिखता है? खैर, ल्यूक हमें बताता है कि उसे अपना डेटा कहाँ से मिला। ल्यूक को इसकी जानकारी कहाँ से मिली? "बहुतों ने उन बातों का लेखा-जोखा तैयार करने का बीड़ा उठाया है जो हमारे बीच पूरी हुई हैं, जैसे वे उन लोगों द्वारा हमें सौंपी गई थीं जो पहले चश्मदीदों में से थे [लूका 1:1-4]।" क्या ल्यूक को यीशु मसीह के बारे में सामग्री प्रत्यक्षदर्शियों से मिली थी? क्या ल्यूक प्रत्यक्षदर्शियों और द्वितीयक स्रोतों के बीच अंतर जानता है? हाँ। क्या वह एक अच्छा इतिहासकार है? वह कहते हैं, "मुझे यह जानकारी प्रत्यक्षदर्शियों से मिली." वह चश्मदीदों और वचन के सेवकों से जाँच करता है, क्योंकि वह स्वयं

चश्मदीद गवाह नहीं था। "क्योंकि मैं ने आप ही ध्यानपूर्वक जांच की है..." लूका की पुस्तक कहाँ से आती है? यह उनकी सावधानीपूर्वक जांच, बातचीत और प्रत्यक्षदर्शी लोगों के साक्षात्कार से आता है। "शुरू से सब कुछ, अब मुझे भी लिखना और व्यवस्थित हिसाब-किताब अच्छा लगने लगा।" अब मैं इसे ऑर्डर करने जा रहा हूँ, वह कहते हैं, "तुम्हारे लिए सबसे उत्कृष्ट थियोफिलस ... ताकि तुम उन चीजों की निश्चितता को जान सको जो तुम्हें सिखाई गई हैं।" तो ल्यूक को उसकी जानकारी कहाँ से मिली? ल्यूक को अपनी सामग्री मुख्यतः उन चश्मदीदों से मिली जिनका उसने साक्षात्कार किया था, और वह हमें बताता है कि [लूका 1:1-4]।

अब इसके बारे में क्या: सुलैमान, नीतिवचन 25:1 में। सुलैमान ने अनेक नीतिवचन लिखे, परन्तु नीतिवचन की पुस्तक किसने बनाई? क्या यह सुलैमान था? नहीं! आंशिक रूप से हाँ, लेकिन नीतिवचन 25:1 में, यह कहा गया है, "ये हिजकिय्याह के लोगों द्वारा नकल की गई सुलैमान की और भी कहावतें हैं।" तो हिजकिय्याह [700 ईसा पूर्व], सुलैमान [960 ईसा पूर्व] के कम से कम 200 साल बाद, सुलैमान की कहावतों के संग्रह या पुस्तक से, हिजकिय्याह के लोगों ने इन कहावतों को उस बड़े संग्रह से कॉपी किया। क्या आप देखते हैं कि बाइबल ने उन्हें कैसे प्राप्त किया? उनके पास सुलैमान की कहावतों का एक बड़ा संग्रह था, मूल रूप से नीतिवचन के अध्याय 25 से 29 को एक बड़े संग्रह से कॉपी किया गया था। हिजकिय्याह के लोगों ने सुलैमान के समय के 200 वर्ष बाद ऐसा किया। तो क्या आपने देखा कि भगवान कैसे विभिन्न तरीकों से लोगों को प्रेरित करते हैं? मैं तुम्हें बस यही दिखाने की कोशिश कर रहा हूँ।

यहाँ वह है जो पॉल करता है। अधिनियम 17 में पॉल जब वह मंगल ग्रह पर है, जब वह ग्रीस में एथेंस में है। वह इन सभी देवताओं को देखकर घूम रहा है और कहता है, "अरे, तुम लोग सही कह रहे हो। आपके एक कवि ने कहा है, 'उसी में हम रहते हैं, चलते हैं और अपना अस्तित्व रखते हैं,' जैसा कि आपके कुछ कवियों ने कहा है। पॉल एक बुतपरस्त कवि अरेटस को उद्धृत करता है, और कहता है कि लोगों ने जो कहा वह सही था! क्या वह धर्मग्रंथ में है? "उसी में हम रहते हैं, चलते हैं और हमारा अस्तित्व है, जैसा कि आपके कवियों ने कहा है।" पॉल एक बुतपरस्त यूनानी कवि को उद्धृत करता है, और वह अब बाइबिल में है। क्या भगवान ने लोगों को विभिन्न तरीकों से प्रेरित किया? पॉल के दिमाग में वह उद्घरण था, और वह उसे नीचे रख देता है और कहता है, "नहीं

, वह सही था, उस आदमी ने जो कहा।" अब यह धर्मग्रन्थ की प्रेरणा से है। भगवान ने अलग-अलग तरीकों से प्रेरणा दी।

अब, बाहरी सहयोग था. मुझे बस यह जल्दी से करने दो। जब आप बाइबल उठाते हैं, यदि आपने अन्य पुस्तकें पढ़ी हैं, तो क्या बाइबल एक अविश्वसनीय पुस्तक है, विशेषकर नैतिक गुणवत्ता वाली? बाइबल में दो सबसे महत्वपूर्ण बातें क्या हैं? "अपने परमेश्वर यहोवा से अपने सम्पूर्ण मन से प्रेम करो।" और क्या? "अपने पड़ोसियों से खुद जितना ही प्यार करें।" प्रश्न: यदि आपको दुनिया में कुछ महान चुनना हो, तो क्या वे अब तक के सबसे महान कथनों में से कुछ हैं? पूरे दिल से भगवान से प्यार करो, अपने पड़ोसी से अपने जैसा प्यार करो, ये बहुत बड़ी बातें हैं। बाइबल इस नैतिक गुण को दर्शाती है जो बिल्कुल अविश्वसनीय है। सबसे गहरे मानवीय मूल्यों और जरूरतों को पवित्रशास्त्र में पूरा और व्यक्त किया जाता है। क्या बाइबल एक गहरी किताब है? आप कहेंगे, "नहीं, हिल्डेब्रांड्ट, मैं उत्पत्ति की पुस्तक जानता हूँ..." मैं आपको बताने जा रहा हूँ कि पिछली कक्षा में किसी ने कहा था, "मैं उत्पत्ति की पुस्तक से बहुत परिचित हूँ।" और मैं बस आपको बताना चाहता हूँ, मैं उत्पत्ति की पुस्तक नहीं जानता और मैं इसे कई वर्षों से पढ़ा रहा हूँ। क्या अन्य बातों के अलावा संख्याओं में भी कुछ ऐसी चीज़ें हैं जिनके बारे में मैं आज भी आश्चर्य करता हूँ? बाइबल की किताब अविश्वसनीय रूप से गहरी है, आप अपना पूरा जीवन इसकी गहराई और अर्थ का अध्ययन करने में बिता सकते हैं।

एल. बाइबल में कथित त्रुटियाँ: ऊँट, हित्ती, डेविड

और पुरातात्विक पुष्टियाँ [50:53-60:05]

अब यहाँ बाइबिल के बारे में कुछ बातें हैं। आलोचकों ने बाइबल पर हमला किया है और आपको जो मिलता है वह इस तरह की चीज़ें हैं - मैं आपको केवल ऊँट के बारे में तर्क देता हूँ। मुझे ऊँट बहुत पसंद हैं. दरअसल, सच्ची सच्चाई यह है कि मुझे ऊँटों से नफ़रत है। मैं एक रात ऊँट के पास सोया और, यदि कोई कहता है कि आपकी साँस ऊँट जैसी है, तो यह कोई प्रशंसा नहीं है। ऊँटों की साँसों से सबसे बुरी दुर्गंध आती है, यह सबसे बुरी गंध है जो मैंने अपने पूरे जीवन में सूंघी है। हम ऊँट के पास सोये और वह उस रात भर हमारे डेरे पर साँस लेता रहा। यह भयानक था। हालाँकि मेरे मन में ऊँटों के प्रति बहुत सम्मान है।

तो ऊँटों के साथ क्या सौदा है? आलोचकों का कहना है कि बाइबल में गलतियाँ हैं, और बाइबल में त्रुटियाँ हैं। बाइबल कहती है कि इब्राहीम के पास ऊँट थे। इब्राहीम की तारीख कब है? 2,000 ईसा पूर्व बाइबल कहती है कि उसके पास ऊँट हैं। आलोचकों का दावा है कि शोध से पता चलता है कि 1200 ईसा पूर्व तक ऊँटों को पालतू नहीं बनाया गया था, और बाइबिल कहती है कि अब्राहम के पास ऊँट थे (लगभग 2000 ईसा पूर्व)। यह स्पष्ट है कि लोगों को यह नहीं पता था कि इब्राहीम ऊँटों को पालतू नहीं बना सकता था, क्योंकि 800 साल बाद तक उन्हें पालतू नहीं बनाया गया था। बाइबिल में एक त्रुटि है। मैं गंभीर हूँ यह तर्क दिया गया है। देखो, कुछ पुरातत्ववेत्ता आसपास खुदाई कर रहे हैं और वे एबला नामक स्थान पर पहुँचे। एबला का काल लगभग 2400 ईसा पूर्व का है जो इसे इब्राहीम से लगभग कितने वर्ष पूर्व दर्शाता है? इब्राहीम से लगभग 400 वर्ष पूर्व। अंदाजा लगाइए कि एबला में उनके पास क्या था? देखो, इब्राहीम के जीवित रहने से 400 वर्ष पहले, एबला में पालतू ऊँट थे। प्रश्न: बाइबल में कहा गया है कि इब्राहीम के पास ऊँट थे, क्या यह सही है? यह सही है। क्या इन आलोचकों ने इसे गलत समझा? हां, उन्होंने इसे गलत समझा।

अब यहाँ एक और है, हित्तियाँ। बाइबिल में उल्लेख है कि हित्ती ऊरिय्याह का विवाह बतशेबा से हुआ था। बाइबिल में अन्य हित्ती भी हैं। आलोचकों ने कहा है, "बाइबिल गलत है, हम प्राचीन दुनिया के सभी लोगों को जानते हैं, हमारे पास पुरातत्व की पूरी जानकारी है, 'हित्तियों' नामक कोई समूह नहीं है, हमारे पास इन हित्तियों का कोई रिकॉर्ड नहीं है, इसलिए उनका अस्तित्व नहीं था। बाइबिल में यह गलत पाया गया है, हित्तियों का अस्तित्व ही नहीं था।" लो और देखो, कोई तुर्की के उत्तरी भाग में जाता है, और अचानक वे बोगाज़कोय के आसपास खुदाई करना शुरू कर देते हैं, और क्या लगता है? यह पता चला कि यह हित्ती साम्राज्य की राजधानी है, और उन्होंने हित्तियों की पूरी संस्कृति को खोद डाला! वैसे, क्या अब आप पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय जा सकते हैं और हित्ती भाषा का अध्ययन कर सकते हैं? हाँ! हित्तियों की हजारों पट्टियों वाली एक पूरी संस्कृति है, वास्तव में व्यवस्थाविवरण की पुस्तक हित्तियों के संधि प्रपत्र से बनी है। तो प्रश्न: क्या अब हम जानते हैं कि हित्तियों का अस्तित्व था और आलोचक गलत थे और बाइबल क्या थी? सही। मैं जो पूछना चाह रहा हूँ वह यह है: क्या बाइबिल ऐतिहासिक रूप से विश्वसनीय है? हाँ। और मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि जो आलोचक इसकी आलोचना करते हैं, वे अंततः गलत हो जाते हैं।

डेविड के बारे में क्या? और यह केवल तीस साल पहले की बात है, लोग कह रहे थे कि डेविड वास्तव में अस्तित्व में नहीं था। डेविड प्राचीन दुनिया में राजा आर्थर थे, उन्होंने डेविड को ही बनाया, इस महान राजा का यह चित्र जो परोपकारी था। यह बिल्कुल राजा आर्थर की तरह है, जिसका वास्तव में कभी अस्तित्व ही नहीं था। उन्होंने अपने सभी आदर्शों को डेविड पर प्रक्षेपित किया और इस अद्भुत आदर्श राजा का निर्माण किया। हमारे पास डेविड का पुरातत्व में कोई रिकॉर्ड नहीं है, और इसलिए वह कभी अस्तित्व में ही नहीं था। लो और देखो, मुझे लगता है कि यह 1980 के दशक की बात है, एक पुरातत्ववेत्ता फावड़े के साथ इस बड़े क्षेत्र में कुछ खोदता है। पता चला कि यह एक अनार था, और अनार लगभग नौवीं या दसवीं शताब्दी ईसा पूर्व का है, जो कि डेविड के समय के आसपास है, और अनुमान लगाएं कि अनार किनारे पर क्या कहता है। यह कहता है " *ले डीवीडी* "। अब मुझे एक मिनट के लिए यहां चलने दीजिए। यह इतिहास में *डीवीडी* का पहला रिकॉर्ड था ! *डीवीडी* आने वाली थी और आप सभी उनका उपयोग कर रहे हैं, और ऐतिहासिक रूप से आप देख सकते हैं कि यह कितने प्रतिभाशाली और अपने समय से आगे हैं: *डीवीडी*। खैर इसमें दिक्कत क्या है? मैं 'ले' क्यों कहता हूं जिसका अर्थ है "से" या "के लिए", प्राचीन हिब्रू में क्या समस्या है? उन्होंने क्या उपयोग नहीं किया? स्वर वर्ण। तो आपको अक्षर *डीवीडी* मिल गए हैं, अनुमान लगाएं कि आप वहां क्या भरते हैं, इसका पता लगाने के लिए आपको बहुत उज्वल होने की आवश्यकता नहीं है। आपके पास स्वरों के लिए दो स्थान हैं, स्वर कौन से हैं? पत्थर पर खुदा होता है, पत्थर पर बातें कौन लिखता है? क्या वह राजशाही है या वह एक गरीब आदमी है? गरीब आदमी मिट्टी के टुकड़े [टूटे हुए मिट्टी के बर्तन] का उपयोग करते हैं। एक अमीर आदमी पत्थर को तराशता है। तो यह रॉयल्टी है, यह डेविड है - "डेविड के लिए।" अंदाज़ा लगाएँ कि आधे भजन कहाँ से (खैर आधे नहीं, लेकिन ढेर सारे भजन), अंदाज़ा लगाएँ कि वे कैसे शुरू होते हैं? " *लेडेविड* " या, "डेविड के लिए।" तो कोई कहता है, "हमें कैसे पता कि डीवीडी का मतलब डेविड है?" कुछ आलोचक अभी भी इसे स्वीकार नहीं करेंगे और इसलिए वे कहते हैं कि डीवीडी वास्तव में किसी भगवान, "टू ए डीवीडी/भगवान" के लिए है। मैं आपकी डीवीडी के बारे में बात नहीं कर रहा हूँ, नहीं, उन्होंने कहा कि एक देवता को बुलाया गया था (और वास्तव में उन्होंने प्राचीन दुनिया से डीडब्ल्यूडी का उपयोग किया था)। लेकिन उस तर्क में समस्या क्या है? हमारे

सभी रिकॉर्ड में, क्या स्वरों के साथ या उसके बिना, डीवीडी नामक कोई भगवान है? नहीं, इसका कोई रिकॉर्ड नहीं है. क्या यह उनकी ओर से पूर्ण अनुमान है, क्योंकि वे इसे स्वीकार नहीं करना चाहते हैं। डीवीडी का शायद क्या मतलब है? यदि किसी ने कभी हिब्रू के साथ कुछ किया है और आप डीवीडी देखते हैं तो इसका मतलब डेविड है! तो अब हमें इसका वास्तविक रिकॉर्ड मिल गया है।

अब हमें यिर्मयाह का मुंशी भी मिल गया है, मैं तुम्हें बुल्ला के बारे में बताता हूँ। इन लोगों ने अपनी अंगूठियों पर सामान पहना था। यह फिंगरप्रिंट की तरह था. आपने अपने बुल्ले पर जो किया, उसे आप मोम में चिपका देंगे या मिट्टी में चिपका देंगे क्योंकि वे मिट्टी पर लिखते थे। आप इसे मिट्टी में दबा देंगे, और इसने आपका प्रिंट छोड़ दिया (और वैसे आप जानते थे कि यह आपका प्रिंट था क्योंकि उस पर आपका नाम था।) यही तो लेखकों ने किया था, इस तरह से उन्होंने "कॉपीराइट" किया था। वह एक मजाक था, ठीक है? जब वे दस्तावेज़ पर ध्यान देने लगे, तो इसका मतलब था कि यह उनका दस्तावेज़ था। अब यिर्मयाह नाम का एक व्यक्ति था, उसने कुछ किताबें लिखीं, वास्तव में एक बड़ी किताब और उसे विलाप करना पसंद था। उसके पास बारूक नाम एक मुंशी था, बारूक मुंशी था। अंदाज़ा लगाओ? 1975 में आप इसे वहीं देखते हैं, यह बारूक का बुल्ला है। यिर्मयाह 36 में, भगवान नीचे आते हैं और कहते हैं, "यिर्मयाह, मैं तुमसे बात करना शुरू करने जा रहा हूँ और तुम्हें इसे लिखना शुरू करना होगा। आपको इसे आपके लिए टाइप करने के लिए हिल्डेब्रांट के पुराने नियम के किसी एक लेखक से मिलना होगा क्योंकि मैं बात शुरू करने जा रहा हूँ और आपको इसे लिखना होगा। तो बाहर जाओ और अपने लिए एक मुंशी ढूंढो। इसके अलावा, मैं आपको मुंशी का नाम बताऊंगा। मैं चाहता हूँ कि तुम नेरिय्याह के पुत्र बारूक को मुंशी ढूंढो। आप इस आदमी को ढूंढिए और वह इसे आपके लिए लिख देगा। क्या हमें इस आदमी की हस्ताक्षर अंगूठी, बुल्ले मिल गई है? क्या हमारे पास वह है? वैसे, यह बरकाया मुंशी नारिया का पुत्र है, क्या यह ठीक उसी काल से आता है? 1975 में इसकी खोज हुई थी. जिस व्यक्ति ने वह अंगूठी पहनी थी, क्या उसने धर्मग्रंथ लिखा था? क्या उसने यिर्मयाह के मुँह से पवित्रशास्त्र की नकल की थी? हमें लड़के का बुल्ले मिल गया है। क्या यह बहुत अविश्वसनीय है? आप यह सामान नहीं बना सकते! यह

अविश्वसनीय है, हमें वास्तव में वह मिल गया है, उस आदमी का असली गुंडा। यहां कहा गया है कि यह उसका बुल्ला था, और उसने वास्तव में इसे यहां यिर्मयाह 36 में लिखा था।

जेरहमील , सेरिआ , जेमरिया भी हैं - ये भी यिर्मयाह की किताब में वर्णित लोग हैं और उन्हें इन लोगों के नाम वाली कलाकृतियां मिली हैं। क्या यह बहुत अविश्वसनीय है? मैं बस इतना ही कहना चाह रहा हूं: बाइबिल ऐतिहासिक रूप से विश्वसनीय है। क्या हम 2,000 साल बाद कोई ऐसी चीज़ खोदते हैं जो पुष्टि करती हो कि क्या हो रहा था?

तो हमें बालाम मिल गया, क्या कोई बालाम और उसके बोलने वाले गधे के बारे में जानता है? क्या तुम जानते हो, कि इस पुरूष का नाम वास्तव में बोर का पुत्र बिलाम पाया गया है। वास्तव में उन्हें ट्रांस-जॉर्डन में इस आदमी के नाम के साथ कुछ मिला है - न केवल बाइबिल में, इसके बाहर।

मोआब के राजा के मेशा पत्थर पर उन्हें ओम्री मिला। ओम्री प्रसिद्ध है क्योंकि वह राजा अहाब का पिता है। क्या तुम्हें अहाब और इज़ेबेल याद हैं? यह अहाब का पिता है। वह वास्तव में अश्शूर के एक अभिलेख में है, क्योंकि अश्शूर में वे इस्राएल को " ओमरी की भूमि " कहते थे। तो इस आदमी की पुष्टि असीरियन दस्तावेजों में असीरियन के इतिहास में की गई है, ओम्री यहां सूचीबद्ध है। अश्शूर के राजा सन्हेरीब का उल्लेख बाइबिल में भी किया गया है।

पुनरुत्थान के गवाह ऐतिहासिकता के बारे में कुछ अन्य बातें भी हैं। पॉल का कहना है कि एक समय में 500 लोग थे जिन्होंने यीशु को मृतकों में से जीवित होते देखा था।

एम. भविष्यवाणी पूरी हुई [60:06-62:32]

अब, भविष्यवाणी पूरी हुई, मैं इन पर शीघ्र प्रहार करने जा रहा हूँ। ईमानदारी से कहें तो इनमें से प्रत्येक को टायर से शुरू करके एक घंटा, दो घंटे, तीन घंटे लग सकते हैं। ईजेकील ने बाइबिल में भविष्यवाणी की थी कि सोर , यह व्यापक रूप से मजबूत शहर नष्ट हो जाएगा; कि इसे पैनकेक की तरह चपटा करके समुद्र में फेंक दिया जाएगा। अंदाज़ा लगाओ? सिकंदर महान 200-300 साल बाद आता है और अंदाज़ा लगाइए कि वह क्या करता है। वह सोर के पास आता है और

कहता है, "अरे, वह शहर समुद्र में जा रहा है।" उसने पूरे शहर को समुद्र में फेंक दिया, और इसके साथ लंबी कहानी यह है कि ईजेकील ने सोर के विनाश की भविष्यवाणी की थी, और ठीक वैसा ही हुआ।

यशायाह हमें साइरस के बारे में बताता है, साइरस के जीवित होने से 200 वर्ष पहले! यशायाह हमें साइरस के बारे में बताता है। फिर आपने फारस के साइरस को आकर लोगों को मुक्त कराया है। यदि आप कभी भी पुराने नियम के किसी महान व्यक्ति का अध्ययन करना चाहते हैं तो साइरस महान लोगों में से एक हैं। मैं अलेक्जेंडर द ग्रेट को "अलेक्जेंडर द ग्रेप" कहता हूँ, आप जानते हैं, उसके साथ मजा करते हुए, लेकिन साइरस, मैं उसे मिस्टर साइरस कहता हूँ। आप एक नेता, एक वास्तविक नेता का अध्ययन करना चाहते हैं, साइरस को देखें - उस व्यक्ति का मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। उनके सैनिक उनका इतना सम्मान करते थे, कि 75 वर्ष की आयु में युद्ध में अपने सैनिकों का नेतृत्व करते हुए उनकी मृत्यु हो जाने के बाद, मादी -फारसियों ने उनके शरीर को गरिमा और सम्मान के साथ दफनाने के लिए एक हजार मील तक ले गए। क्या उन्हें अपने सैनिकों का सम्मान था? वे उसके शव को सम्मानपूर्वक दफनाने के लिए एक हजार मील तक ले गए। साइरस एक महान योद्धा राजा है। वैसे, यशायाह को साइरस के अभिषिक्त होने की भी सूचना है। हिब्रू में "अभिषिक्त व्यक्ति" क्या है? - *मसीहा*। आपको यह स्वाद मिलता है कि साइरस अभिषिक्त व्यक्ति है, एक तरह से यीशु का पूर्ववर्ती।

तो फिर, निःसंदेह, क्या पुराने नियम में यीशु की भविष्यवाणी की गई थी? हाँ, बेथलहम में पैदा हुआ। यदि आप यीशु के बारे में कुछ भी पढ़ना चाहते हैं, तो यशायाह 53 पढ़ें और जब आपका काम पूरा हो जाए तो यह आपको पूरी तरह से चकित कर देगा।

यहाँ, 1 राजा 13 में, यह राजा योशियाह की भविष्यवाणी करता है, योशियाह के जीवित रहने से 300 वर्ष पहले। योशियाह की भविष्यवाणी की गई है, और यह बताता है कि वह क्या करेगा। बाइबल भविष्यवाणी करती है कि वह व्यक्ति क्या करेगा और उसे नाम से बुलाती है और बताती है कि वह जीवित रहने से 300 साल पहले क्या करेगा। तो क्या इस किताब में कुछ बहुत शानदार चीज़ें हैं? हाँ।

एन. कैनोनाइजेशन [62:33-74:36]

आइए अब यहां संत घोषित करने के लिए यात्रा करें। क्या हमने बाइबल में वह सब कुछ दर्ज किया है जो परमेश्वर ने कभी कहा था? अच्छा, क्या हमारे पास हुल्दाह की किताब है? नहीं, भगवान ने हुल्दा से बात की, हुल्दा ने लोगों को संबोधित किया। वह ईश्वर की भविष्यवक्ता थी, फिर भी हमारे पास उसकी पुस्तक नहीं है। तो क्या ऐसी कुछ चीज़ें हैं जिन्हें परमेश्वर ने कहा था कि वह उस दिन और उम्र के लिए चाहता था, लेकिन हमेशा के लिए नहीं? क्या आप ऐसी बातें कहते हैं जो आप चाहते हैं कि आपके माता-पिता जानें लेकिन कोई और न जाने? तो उन्होंने बात की, और उन्होंने हमेशा के लिए सब कुछ रिकॉर्ड नहीं किया। उदाहरण के लिए, सुलैमान ने 3,000 नीतिवचन लिखे। हमारी बाइबल में सुलैमान की कितनी कहावतें हैं? लगभग 375। इसका मतलब है कि हमें सुलैमान ने जो लिखा था उसका केवल दसवां हिस्सा ही मिला है। आप जानते हैं कि सुलैमान ने 1,000 गीत लिखे, हमारे पास सुलैमान के कितने गीत हैं? हाँ, उन्होंने बाइबल में सुलैमान का एक गीत डाला और कहा, "यह काफी है, हम इससे अधिक नहीं चाहते!" तो वैसे भी, 3,000 कहावतें हैं, हमारे पास लगभग 375 हैं। क्या सुलैमान ने बहुत सारी कहावतें लिखीं जो हमारे पास नहीं हैं? हाँ।

यहाँ यीशु का एक क्लासिक है। जॉन के अंत में, जॉन कहता है, "आप जानते हैं, मैंने आपको यीशु के बारे में बहुत सी बातें लिखी और बताई हैं, लेकिन अगर मैं आपको वह सब कुछ बताऊं जो मैं यीशु के बारे में जानता हूँ, तो दुनिया की किताबें इसे रोक नहीं सकतीं!" दूसरे शब्दों में, ऐसी कई चीज़ें हैं जो यीशु ने कीं, जो इस पुस्तक में नहीं लिखी गयी हैं। जॉन स्पष्ट रूप से कहता है: "ऐसी कई चीज़ें हैं जो यीशु ने कीं जिन्हें मैंने इस पुस्तक में नहीं डाला अन्यथा पुस्तक बहुत बड़ी हो जाती!" तो जॉन स्पष्ट रूप से बाहर आता है और हमें बताता है कि ऐसी बहुत सी चीज़ें हैं जो यीशु ने कीं जो दर्ज नहीं हैं।

अब, जब चीज़ें परमेश्वर की ओर से दर्ज की गईं, तो क्या लोगों ने उन चीज़ों को मंजूरी दे दी और उन्हें तुरंत आधिकारिक मान लिया? या, क्या किंवदंतियों और परंपरा को विकसित होना पड़ा ताकि वे अपने अधिकार में बढ़ें? क्या वे तत्काल आधिकारिक थे? आइए मूसा को लें, उदाहरण के लिए, वह सिनाई पर्वत से नीचे चला गया; उसके पास दस आज्ञाएँ हैं, है ना? वह लोगों के पास आता है। क्या उन दस आज्ञाओं को तुरंत ईश्वर की ओर से आधिकारिक मान लिया गया है? पहली को खत्म करने के बाद वह दूसरी को लेकर बाहर आता है। लेकिन वह नीचे आता है और उन्हें तुरंत

स्वीकार कर लिया जाता है और वास्तव में दस आज्ञाओं को यह दिखाने के लिए किस स्थान पर रखा जाता है कि उन्हें भगवान से आने के रूप में स्वीकृत किया गया है? दस आज्ञाएँ कहाँ रखी गईं? उन्हें वाचा के सन्दूक में रखा गया। क्या आप लोगों ने इंडियाना जोन्स देखी है? सन्दूक में क्या है? आप इसे खोलते हैं और लोगों के चेहरे उतर जाते हैं। वैसे भी, दस आज्ञाएँ सन्दूक में रखी गई थीं, क्या इससे पता चलता है कि इन दस आज्ञाओं को तुरंत भगवान के शब्द के रूप में स्वीकार कर लिया गया था और उन्हें इस तरह स्वीकृत किया गया था। 1 राजा 8:9 में, सुलैमान कहता है कि वह सन्दूक को मंदिर में ले गया, याद रखें कि सुलैमान ने मंदिर का निर्माण किया था, वह सन्दूक को मंदिर में खींचता है और कहता है, "अरे, सन्दूक में मन्ना का एक बर्तन होना चाहिए था, हारून की उभरी हुई छड़ी, और दस आज्ञाएँ। मैंने सन्दूक को यहाँ खींच लिया और सन्दूक में केवल दस आज्ञाएँ हैं, अब बस इतना ही है।" बाकी दो चीज़ें खत्म हो गईं। मुझे हमेशा आश्चर्य होता था कि उसे इसका पता कैसे चला! उसका एक्स-रे या कुछ और हुआ होगा।

फिर नहेमायाह के दिनों में, जब वे बेबीलोन की बंधुआई से वापस आए तो उन्होंने क्या किया? वे "कानून की किताब" पढ़ते हैं। वैसे, क्या यहूदी आज तक अपने कई पर्वों पर व्यवस्था की पुस्तक पढ़ते हैं? क्या इसे उस समूह के लिए आधिकारिक माना जाता है? क्या परमेश्वर के लोग परमेश्वर के वचन को स्वीकार करते हैं? और इसलिए वे कहते हैं, "ठीक है, ये वे किताबें हैं जो अच्छी हैं, और वे वहाँ हैं।" क्या अभी भी लोग आर्क की तलाश में हैं? सन्दूक का क्या हुआ? मुझे वह प्रश्न पिछली कक्षा में मिला था। मुझे लगता है कि सन्दूक, जब वे निर्वासन में गए थे, याद रखें कि वे बेबीलोन गए थे। दानियेल, शद्रक, मेशक और अबेदनगो, और नबूकदनेस्सर को स्मरण करो, वे बेबीलोन गए थे। मूलतः नबूकदनेस्सर ने सुलैमान के मन्दिर को समतल कर दिया। उन्होंने सोने के साथ क्या किया? उन्होंने इसे पिघला दिया और उन्होंने सारा कांस्य और पीतल ले लिया और इसे बेबीलोन ले गए और यह वहाँ से गायब हो गया। अब, क्या कुछ लोग सोचते हैं कि यहूदियों ने सन्दूक को यहूदिया के रेगिस्तान में छिपा दिया था? कुछ साल पहले ही एक आदमी था जो जूडियन जंगल में सभी गुफाओं में चीजों के नीचे दबे हुए जहाज को खोजने की कोशिश में बड़े डॉलर खर्च कर रहा था। यह कुछ-कुछ इंडियाना जोन्स की तरह है, लेकिन वास्तव में ऐसे लोग भी हैं जो ऐसा

करते हैं। मुझे लगता है कि सन्दूक चला गया है, और यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा भी सामने लाता है।

परमेश्वर के वचन का संरक्षण

सन्दूक चला गया है. क्या हमारे पास यशायाह की मूल प्रति है? यशायाह की जो मूल प्रति यशायाह ने लिखी, क्या वह हमारे पास है? क्या ईश्वर उसे सुरक्षित रख सकता था? हाँ। क्या भगवान ने इसे सुरक्षित रखा? नहीं, यिर्मयाह, यशायाह, दानिय्येल, दाऊद के भजन, क्या हमारे पास हैं? क्या हमारे पास पेंटाटेच, मूसा की कोई रचनाएँ हैं? नहीं, क्या परमेश्वर ने अपने वचन को पूर्णता से सुरक्षित रखा या उसने इसे शास्त्रियों को सौंप दिया? अब जब शास्त्री इसकी नकल करते हैं, तो क्या वे गलतियाँ करते हैं? परमेश्वर ने अपना वचन क्यों खो दिया, और पूर्ण मूल को सुरक्षित क्यों नहीं रखा? मैं एक सुझाव देने जा रहा हूँ--मैं बस इसे बना रहा हूँ, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि यदि भगवान ने दस आज्ञाओं को संरक्षित किया होता, तो लोग उसके साथ क्या करते? लोग इसकी पूजा करेंगे. यदि आपके पास मूसा की वास्तविक पुस्तक होती, तो क्या लोग पुस्तक के भगवान की बजाय अवशेष की पूजा करते? तो मेरा अनुमान है कि भगवान ने कहा, "अरे, मैं चाहता हूँ कि तुम मेरी पूजा करो! अवशेष नहीं. इसलिये उन्हें जाने दो, और तुम मेरी आराधना करो।" इसीलिए मुझे लगता है कि वे पाठ खो गए हैं। अब वैसे, क्या मैंने इसे अभी बनाया है? हाँ। लेकिन क्या इसका थोड़ा भी मतलब बनता है. यदि आपके पास कोई बेहतर है, तो आएं और मुझसे बात करें।

यहाँ एक है, यह रहस्योद्घाटन है। क्या बाइबल में ऐसे कथन हैं जिन्हें आपको पवित्रशास्त्र में जोड़ना या घटाना नहीं चाहिए? प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के अंत में, यह कहा गया है, "जो कोई इस पुस्तक में कुछ जोड़ देगा, इस पुस्तक के श्राप भी तुम्हारे साथ जोड़ दिये जायेंगे। जो कोई इस पुस्तक में से काटेगा, उसका नाम जीवन के वृक्ष में से काट दिया जाएगा।" क्या यह एक बुरी बात है? यह बुरी बात है. वैसे, व्यवस्थाविवरण 4:2 भी यही काम करता है। मूसा कहते हैं कि इस किताब में कुछ जोड़ या घटा मत करो, यह ईश्वर की ओर से है, यह एक विहित कार्य है, इसके साथ खिलवाड़ मत करो।

पीटर, पॉल और तत्काल प्राधिकारी

अब उनमें से एक जो मुझे पसंद है वह पीटर और पॉल हैं। आपको यह कथन पीटर से मिला है। पीटर का पॉल से क्या संबंध था? क्या पौलुस ने पतरस को उसके मुँह पर डाँटा? गलातियों की

पुस्तक में पतरस और पॉल ने इसे लिखा था। पतरस कह रहा था, "अरे, शायद अन्यजातियों का खतना करना होगा, शायद उन्हें यह सब यहूदी काम करना होगा।" पॉल कहता है, "नहीं, पीटर तुम गलत हो।" अब, वैसे, क्या पतरस बड़ा शिष्य है? पॉल नवागंतुक है। पॉल पीटर के पास जाता है, उसके चेहरे पर अपनी उंगली डालता है और कहता है, "पीटर, तुम गलत हो!" और वह उसे उसके मुँह पर डाँटता है। पीटर इस बारे में क्या कहता है? 2 पीटर में, क्या पीटर को अंतिम शब्द मिलता है? 2 पतरस में, वह पॉल के बारे में यही कहता है, "ध्यान रखें, कि हमारे भगवान के धैर्य का अर्थ मोक्ष है, जैसे हमारे प्रिय भाई पॉल ने भी आपको उस ज्ञान के साथ लिखा है जो भगवान ने उसे दिया था।" क्या पतरस स्वीकार करता है कि परमेश्वर ने पॉल को बुद्धि दी और पॉल उन्हें लिख रहा था? हाँ। पतरस ने स्वीकार किया कि परमेश्वर ने पॉल को बुद्धि दी। अब पतरस व्यापार से क्या था? एक मछुआरा। पॉल व्यापार से क्या था? एक तंबू बनाने वाला, हाँ, लेकिन क्या वह अधिक विद्वान व्यक्ति था, जो रब्बी गमालिएल के अधीन अध्ययन कर रहा था। तो पीटर एक मछुआरा है। पॉल के बारे में पीटर क्या कहता है, वह कहता है, "वह अपने सभी पत्रों में इसी तरह लिखता है।" क्या पतरस को पॉल के सभी पत्रों की जानकारी थी? क्या पॉल के पत्रों को आधिकारिक बनने में कई साल लग गए या वे तुरंत आधिकारिक हो गए? क्या पीटर ने पॉल के पत्रों के अधिकार को तुरंत पहचान लिया? वह कहते हैं, "पॉल ने कई पत्र लिखे, भगवान ने बुद्धि से उनसे बात की, उनमें इन मामलों के बारे में बताया," और मुझे यह हिस्सा पसंद है, "... उनके पत्रों में कुछ ऐसी बातें हैं जिन्हें समझना मुश्किल है।" क्या वह मछुआरा बोल रहा है? यदि आपने न्यू टेस्टामेंट में पॉल के पत्र पढ़े हैं, तो पॉल ने कुछ बहुत उन्नत सामग्री लिखी है। और पीटर इसे स्वीकार करता है, वह कहता है, "पॉल परमेश्वर की बुद्धि को लिखता है, और मुझे यकीन नहीं है कि मैं यह सब समझता हूँ।" "जिसे अज्ञानी और अस्थिर लोग विकृत करते हैं," क्या? वे पॉल के पत्रों को विकृत करते हैं "जैसा कि वे अन्य धर्मग्रंथों को करते हैं।" इसका मतलब यह है कि वह पॉल के पत्रों को किस स्तर पर रख रहा है? शास्त्र, पवित्र लेख! क्या पीटर ने पॉल के लेखन को तुरंत स्वीकार कर लिया? हाँ। और इसलिए वे महत्वपूर्ण श्लोक हैं।

वे तुरंत आधिकारिक हो गए और आप वास्तव में इसे यहां डैनियल के साथ देख सकते हैं। डैनियल यिर्मयाह का हवाला देते हैं, वे समकालीन थे, वे एक ही समय में रहते थे। डैनियल कहते हैं,

“अरे, यिर्मयाह ने कहा कि हम 70 साल तक बेबीलोन में रहेंगे। 70 साल होने जा रहे हैं।” डैनियल यिर्मयाह को तुरंत स्वीकार कर लेता है। इसलिये परमेश्वर के लोगों ने तुरन्त परमेश्वर का वचन मान लिया।

कैनोनाइजेशन के लिए मानदंड

अब यहाँ प्रश्न यह उठता है कि कुछ पुस्तकें क्यों स्वीकार की गईं और कुछ अस्वीकृत? दूसरे शब्दों में, उन्हें तुरंत स्वीकार कर लिया गया लेकिन फिर क्या हुआ, आपके पास एक प्रक्रिया है। यदि पॉल इफिसुस को लिखता है, तो इफिसुस के लोगों को वह पत्र मिल जाता है, लेकिन रोम में बैठे लोगों को उस पत्र के बारे में कुछ भी पता नहीं चलता है। उन पत्रों को प्रसारित करना पड़ता था, इसलिए आपको प्रसार की समस्या आती है। और फिर सवाल यह है: ठीक है, हम रोम में बैठे हैं, क्या हम इफिसियों को पत्र प्राप्त कर सकते हैं? क्या पॉल ने सचमुच ऐसा लिखा था? क्या वह सचमुच वही था? तो प्रारंभिक चर्च वास्तव में संभवतः 200-300 वर्षों तक इससे जूझता रहा। संत घोषित करने की एक प्रक्रिया थी, लेकिन मैं आपको जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि क्या पवित्रशास्त्र में इस बात का प्रमाण है कि चीजों को तुरंत स्वीकार कर लिया गया था। लेकिन मुझे समस्या प्रारंभिक चर्च में प्रचलन के बारे में अधिक लगती है। लेकिन यहूदियों के साथ भी आपको ऐसी ही चीज़ मिलती है।

मैं इसे यहीं तक सीमित रखना चाहता हूँ, लेकिन आइए कुछ बाइबिल- रॉबिक्स करें !